E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 138 | प्रयागराज, शुक्रवार 11 सितम्बर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले-मिडटर्म चुनाव जीता तो हर वोटर को रु5 लाख, इस पर रु128 लाख करोड़ खर्च करने होंगे

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि नवंबर के मिडटर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में बहुमत बरकरार रखती है, तो हर बालिग अमेरिकी को 5000 डॉलर (करीब 4.76 लाख रुपए) दिए जाएंगे। ट्रम्प ने यह बयान डलास में रिपब्लिकन कन्वेंशन को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने इसे 'ट्रम्प डिविडेंड' नाम दिया और कहा कि यह अमेरिका की 'आर्थिक ताकत और सफलता' की वजह से दिया जाएगा।ट्रम्प ने ये भी कहा कि डिविडेंड की रकम अमेरिका में ही खर्च करनी होगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा, भुगतान का दायरा क्या होगा और रकम किस तरह बांटी जाएगी। अमेरिका में करीब 26.98 करोड़ वयस्क हैं। अगर सभी को 5,000 डॉलर दिए जाएं तो कुल खर्च करीब 1.35 ट्रिलियन डॉलर यानी 128.25 लाख करोड़ रुपए होगा। यह रकम दुनिया के करीब 162 देशों की इकोनॉमी से ज्यादा है। विश्व बैंक के 2025 के आंकड़े के मुताबिक इससे ज्यादा सिर्फ 19 देशों की जीडीपी है। यहां तक की यह पाकिस्तान की पूरी अर्थव्यवस्था से करीब 3.3 गुना ज्यादा है। पाकिस्तान की जीडीपी करीब 407.3 अरब डॉलर यानी रु38.69 लाख करोड़ है।

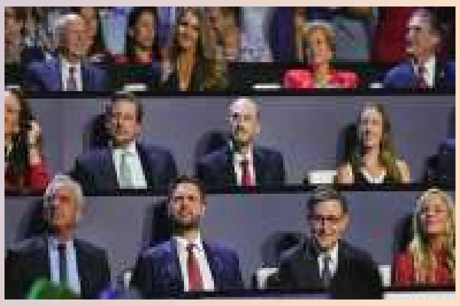

अमेरिका की जीडीपी के 4फीसदी के बराबर खर्च-2025 में अमेरिका की अर्थव्यवस्था करीब 30.8 ट्रिलियन डॉलर की थी। हर बालिग अमेरिकी को 5,000 डॉलर देने की योजना पर करीब 1.3 ट्रिलियन डॉलर खर्च होगा। इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होगी। यह रकम अमेरिका की 2025 की जीडीपी के करीब 4.2फीसदी के बराबर है। वहीं, अमेरिका का सालाना बजट घाटा करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर है। यानी इस योजना से सरकारी खर्च और घाटे पर और दबाव बढ़ सकता है। अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज भी पहले ही 40 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है। ऐसे में इतनी बड़ी रकम बांटने से सरकारी कर्ज और महंगाई को लेकर चिंता बढ़ सकती है। उपराष्ट्रपति वेंस बोले- अमीरों को नहीं मिलेगा पैसा-ट्रम्प के ऐलान के करीब एक घंटे बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि डिविडेंड का लाभ अमीर लोगों को नहीं मिलेगा। वेंस ने बताया कि इस भुगतान के लिए सरकार को मिलने वाले टैरिफ राजस्व का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, टैरिफ से मिलने वाली रकम 5,000 डॉलर प्रति बालिग के भुगतान की अनुमानित लागत से काफी कम है। ट्रम्प पहले भी कर चुके हैं सीधे भुगतान का प्रस्ताव-ट्रम्प इससे पहले भी अमेरिकी नागरिकों को सीधे पैसा देने की बात कर चुके हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने 2,000 डॉलर के डिविडेंड का प्रस्ताव रखा था। उस समय उन्होंने कहा था कि इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी नहीं होगी। पिछले साल ट्रम्प ने अमेरिकी सैनिकों को 1776 डॉलर का भुगतान किया था, जिसे उन्होंने 'वॉरियर डिविडेंड' कहा था। मिडटर्म में रिपब्लिकन के सामने बहुमत बचाने की चुनौती अमेरिका में मिडटर्म चुनाव राष्ट्रपति चुनाव के दो साल बाद होते हैं। इसमें प्रतिनिधि सभा की सभी सीटों और सीनेट की करीब एक-तिहाई सीटों के लिए चुनाव होता है। रिपब्लिकन इस बार प्रतिनिधि सभा में अपने बेहद मामूली बहुमत को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सीनेट में भी पार्टी को चुनौती मिल रही है। ट्रम्प अक्सर कहते रहे हैं कि आधुनिक दौर में राष्ट्रपति की पार्टी आमतौर पर मिडटर्म चुनाव में कांग्रेस की सीटें गंवाती है। डलास में उन्होंने कहा कि वह इस परंपरा को बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हम इसे बदलने जा रहे हैं। ऐसा होने की कोई वजह नहीं है।'

नॉर्वे पीएम बोले-जेलेंस्की का प्लेन ड्रोन हमले से बाल-बाल बचा,नॉर्वे किंग के अंतिम संस्कार में जा रहे थे,मोल्दोवा से उड़ान भरते वक्त घटना

ओस्लो/कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का प्लेन मंगलवार को मोल्दोवा से उड़ान भरते समय ड्रोन हमले की चपेट में आने से बच गया। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे ने बुधवार को सरकारी टीवी से बातचीत में यह दावा किया। स्टोरे के मुताबिक जेलेंस्की का प्लेन मोल्दोवा से उड़ान भरने ही वाला था, तभी ड्रोन उसके करीब आ गया। हालांकि, उन्होंने ड्रोन की दूरी और जानकारी के स्रोत का खुलासा नहीं किया। जेलेंस्की नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ओस्लो जा रहे थे। ड्रोन अलर्ट के कारण उनकी उड़ान में देरी हुई। बाद में मोल्दोवा के अधिकारियों ने देश में एक रूसी ड्रोन के गिरने की पुष्टि की और जेलेंस्की के विमान को उड़ान भरने की मंजूरी दी। एयरपोर्ट से करीब 160 किमी दूर गिरा ड्रोन- जेलेंस्की का मोल्दोवा के विमान चिशिनाउ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़ा था। ड्रोन की चेतावनी मिलने के

बाद एयरस्पेस बंद कर दिया गया था। एपी के मुताबिक, बाद में ड्रोन एयरपोर्ट से करीब 160 किलोमीटर दूर गिरकर नष्ट हो गया। मोल्दोवा की ओर से ड्रोन को रूसी बताया गया है। हालांकि, यह साफ नहीं किया गया है कि ड्रोन को जानबूझकर जेलेंस्की के विमान को निशाना बनाने के लिए भेजा गया था या वह किसी दूसरे टारगेट की ओर जा रहा था। मोल्दोवा के राजदूत बोले- ड्रोन का घुसना महज संयोग नहीं-अमेरिका में मोल्दोवा के राजदूत वलादिस्लाव कुलमिन्स्की ने सीएनएन से बातचीत में कहा कि ड्रोन के गलती से मोल्दोवा में घुसने की संभावना कम है। जेलेंस्की का विमान एयरपोर्ट पर खड़ा हो और उसी समय एक जेट-प्रोपेल्ड ड्रोन मोल्दोवा में प्रवेश करे, इसे महज संयोग मानना मुश्किल है। जब उनसे पूछा गया कि क्या ड्रोन को जेलेंस्की के विमान को निशाना बनाने के लिए भेजा गया था, तो कुलमिन्स्की ने कहा कि मामले की जांच जारी है। अभी इस बारे में कुछ कहना जल्दबाजी होगी। मोल्दोवा की राष्ट्रपति बोलीं-ड्रोन का घुसना लोगों की जान के लिए खतरा-मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया संदू ने ड्रोन के देश में घुसने की घटना को लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने यूक्रेन की सीमा से लगे एक बॉर्डर क्रॉसिंग पर हुए रूसी ड्रोन हमले की भी निंदा की। मंगलवार को हुए इस हमले में दो लोगों की मौत हुई थी।

बांग्लादेश सेना का चीनी टैंक फायरिंग अभ्यास में फटा,2 सैनिकों की मौत, एक अधिकारी गंभीर

ढाका। बांग्लादेश के चटगांव में बुधवार को सेना के फायरिंग अभ्यास के दौरान चीन में बना टाइप 59 टैंक फट गया। हादसे में टैंक के अंदर मौजूद दो सैनिकों की मौत हो गई। एक सैन्य अधिकारी गंभीर रूप से घायल है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट (आईएसपीआर) के मुताबिक,

सैनिक टैंक से फायरिंग कर रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। घायल अधिकारी को बेहतर इलाज के लिए ढाका के कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (सीएमएच) ले जाया जा रहा है। हादसे की वजह अभी तक साफ नहीं है। चीन में बने इस टैंक का इस्तेमाल पाकिस्तान भी करता है- हादसे में शामिल टैंक चीन में बना टाइप-59 है, जिसका इस्तेमाल बांग्लादेश की सेना करती है। टाइप-59 चीन में बना एक पुराना मुख्य युद्धक टैंक है। इसे चीन का पहला ऐसा टैंक भी माना जाता है, जिसे बड़ी संख्या में बनाया गया था। चीन के अलावा पाकिस्तान, ईरान, उत्तर कोरिया जैसे कई देशों की सेनाओं ने इसका इस्तेमाल किया है। इनमें बांग्लादेश भी शामिल है। इसके कुछ फीचर्सः- मूल टाइप-59 टैंक में 100 मिलीमीटर की मुख्य तोप लगी थी। इसके साथ 7.62 मिलीमीटर की एक मशीन गन और 12.7 मिलीमीटर की एंटी-एयरक्राफ्ट मशीन गन भी होती है। इसे चलाने और ऑपरेट करने के लिए 4 सैनिकों की जरूरत होती है। टैंक का वजन करीब 36 टन है और यह सड़क पर अधिकतम करीब 50 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकता है। इसमें करीब 520 हॉर्सपावर का डीजल इंजन लगा है। अतिरिक्त ईंधन टैंक के साथ यह करीब 600 किमी तक चल सकता है। टाइप-59 का डिजाइन काफी पुराना हैः-टाइप-59 सैन्य टैंक काफी पुराना है, लेकिन समय के साथ इसके कई नए वर्जन और अपग्रेड तैयार किए गए।इनमें ज्यादा बेहतर तोप, फायर-कंट्रोल सिस्टम, रात में देखने की सुविधा और टैंक की सुरक्षा बढ़ाने वाले उपकरण जोड़े गए। बांग्लादेश ने भी अपने पुराने टी-59 टैंकों को अपग्रेड किया है द डेली स्टार ने 2015 में रिपोर्ट किया था कि बांग्लादेश अपनी सेना के करीब 174 टी-59 टैंकों को अपग्रेड करने की योजना पर काम कर रहा था।

भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ पोस्ट डिलीट करेंगे सीजेपी नेता,दीपके, सौरव और रांका को समन

नयी दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया की मानहानि याचिका पर गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट के सामने सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने भाटिया के खिलाफ किए गए एआई से बने विवादित पोस्ट हटाने पर सहमति जताई। दोनों पोस्ट 24 घंटे में हटाए जाएंगे। कोर्ट ने मामले में सौरव दास, आशुतोष रांका और सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके को समन भी जारी किया है। साथ ही मेटा और एक्स से कहा कि अगर भविष्य में ऐसे पोस्ट की हूबहू कॉपी दोबारा डाली जाती है और भाटिया शिकायत करते हैं, तो उसे हटाने पर कार्रवाई की जाए। मामला सीजेपी कार्यकर्ता नीशू आजाद के पिता संजय कुमार पर हमले से जुड़ा है। सीजेपी का आरोप है कि स्वतंत्र भारद्वाज और अन्य लोगों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान संजय कुमार के साथ मारपीट की थी। इसी मामले में सीजेपी ने स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ एफआईआर और कार्रवाई की मांग की थी। इसी दौरान सौरव दास ने एक ग्राफिक शेयर किया।

मस्क पर डॉक्यूमेंट्री

पूर्व पत्नी-करीबियों के आरोप- सत्ता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, महिलाओं को बच्चे पैदा करने की मशीन मानते हैं

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक वेनिस फिल्म फेस्टिवल में ऑस्कर विजेता निर्देशक एलेक्स गिब्नी की करीब चार घंटे लंबी डॉक्यूमेंट्री ने इलॉन मस्क की

कहानी को अलग नजरिए से पेश किया है। फिल्म में मस्क की पूर्व पत्नी, पूर्व गर्लफ्रेंड और पुराने सहयोगियों ने उनके व्यवहार, सोच और सत्ता के प्रति रवैये को लेकर कई दावे किए हैं। डॉक्यूमेंट्री की कहानी 1990 के दशक से शुरू होती है, जब मस्क महत्वाकांक्षी कारोबारी के तौर पर आगे बढ़ रहे थे। उस समय उनके लक्ष्य जलवायु संकट से लड़ना और अंतरिक्ष यात्रा को सस्ता बनाना जैसे विचारों से जुड़े थे। हालांकि, गिब्नी का दावा है कि समय के साथ मस्क की महत्वाकांक्षा ऐसी स्थिति में पहुंच गई, जहां उन्होंने अपने लक्ष्यों को नैतिकता और कानून से ऊपर रखना शुरू कर दिया। फिल्म में मंगल पर बस्ती बसाने और ऑटोनॉमस कारों जैसे मस्क के वादों पर भी सवाल उठाए गए हैं। गिब्नी का दावा है कि ये वादे निवेशकों को आकर्षित करने और मस्क की छवि मजबूत करने का जरिया बन गए। 'इतनी शक्ति किसी एक व्यक्ति के पास होना खतरनाक' -गिब्नी कहते हैं, 'लोग मान लेते हैं कि बेहद अमीर व्यक्ति सनकी नहीं हो सकता। लेकिन असल चिंता तब होती है, जब कोई शख्स बेहद अमीर और ताकतवर होने के साथ असामान्य सोच भी रखता हो।' मस्क के करीबी रहे न्यूरोसाइंटिस्ट सैम हैरिस कहते हैं, 'बिना जनता के चुने गए व्यक्ति के पास इतनी शक्ति होना खतरनाक है, क्योंकि इसका असर राजनीति, अर्थव्यवस्था और वैश्विक समीकरणों तक पड़ता है।' इंसानों को पेट्स की तरह कंट्रोल करेंगी मशीनेंः-डॉक्यूमेंट्री में मस्क की पहली पत्नी जस्टिन विल्सन का दावा है कि मस्क महिलाओं को बच्चे पैदा करने वाली मशीन के तौर पर देखते हैं। उनके मुताबिक, मस्क मानते हैं कि एक महिला की जगह दूसरी महिला आसानी से ले सकती है। फिल्म में मस्क के एआई और भविष्य को लेकर विचारों का भी जिक्र है। उनके मुताबिक, इंसान किसी कृत्रिम सिमुलेशन में रह रहे हो सकते हैं और भविष्य में मशीनें इंसानों को पालतू जानवरों की तरह नियंत्रित कर सकती हैं। डॉक्यूमेंट्री के अनुसार, मस्क ने कंप्यूटर वैज्ञानिक जेफ्री हिंटन के साथ भी ऐसे विचार साझा किए थे।

जिनपिंग ब्रिक्स समिट में आ सकते हैं, आखिरी बार 2019 में आए थे, गलवान झड़प के बाद मोदी-जिनपिंग की भारत में पहली द्विपक्षीय बैठक संभव

नयी दिल्ली/बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आ सकते हैं। इस

दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। अगर यह बैठक होती है तो जून 2020 में हुई गलवान हिंसा के बाद दोनों नेताओं की भारत में पहली द्विपक्षीय बातचीत होगी। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने 4 सैनिकों की मौत की बात मानी थी। हालांकि, जिनपिंग के भारत आने की पुष्टि अभी तक दोनों देशों ने नहीं की है। चीनी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। जिनपिंग आखिरी बार 2019 में भारत आए थे। डोभाल पिछले महीने चीन गए थेः- भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल 24 अगस्त को चीन गए थे। वहां 25 अगस्त को उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा विवाद समेत कई मुद्दों पर बातचीत की थी। सीमा विवाद समेत कई मुद्दे भारत के एजेंडे मेंः- भारत और चीन के बीच सिर्फ सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि व्यापार और आर्थिक रिश्ते भी बातचीत का हिस्सा हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। इसके अलावा रेयर अर्थ मैगनेट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता कर रहा है भारतः- इस साल ब्रिक्स की कमान भारत के पास है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया भी शामिल हैं। भारत की अध्यक्षता में पूरे साल अलग-अलग शहरों में बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कई स्तर की चर्चाएं हो रही हैं। भारत का फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक, आतंकवाद से निपटने और सप्लाई चेन मजबूत करने पर है। यानी ब्रिक्स को सिर्फ राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश और विकास के बड़े मंच के तौर पर आगे बढ़ाने की कोशिश है।

ब्रिक्स समिट में भारत नहीं आएंगे बांग्लादेशी पीएम रहमान,दूसरी बार भारत यात्रा टली

ढाका। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ब्रिक्स समिट में शामिल होने भारत नहीं आएंगे।

विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने इसकी पुष्टि की है। गुरुवार को पत्रकारों ने रहमान के समिट में शामिल होने को लेकर सवाल पूछा। कबीर ने कहा-'हमारे प्रधानमंत्री को तो न्योता नहीं मिला। न्योता BIMSTEC के चेयरमैन को मिला है।' ब्रिक्स समिट 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होगा। इसमें कई देशों के नेता शामिल होंगे। ब्रिक्स का सदस्य नहीं, फिर भा BIMSTEC चेयर के तौर पर न्योताः- बांग्लादेश ब्रिक्स का सदस्य नहीं है। भारत न BIMSTEC के मौजूदा चेयरमैन के तौर पर तारिक रहमान को ब्रिक्स समिट के आउटरीच सेशन में शामिल होने का न्योता दिया था। BIMSTEC दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के 7 देशों का क्षेत्रीय संगठन है। इसका पूरा नाम बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन है। इसमें भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार और थाईलैंड शामिल हैं। संगठन का मकसद सदस्य देशों के बीच व्यापार, कनेक्टिविटी, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। अगस्त में भी टला था रहमान का भारत दौरा- यह दूसरी बार है जब तारिक रहमान की भारत यात्रा टली है। इससे पहले उन्हें 22 अगस्त को भारत आना था, लेकिन दौरे से पहले ही यह कार्यक्रम टल गया था। उस समय बांग्लादेश ने भारत के सामने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा उठाया था। दोनों देशों के बीच इस मुद्दे को लेकर पहले से तनाव चल रहा है। अब बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा है कि सरकार तारिक रहमान की अलग द्विपक्षीय भारत यात्रा की तैयारी कर रही है। यह यात्रा दोनों देशों के लिए सही समय आने पर होगी। हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भारत-बांग्लादेश में तनाव बढ़ा-दरअसल 5 अगस्त को शेख हसीना ने दिल्ली में वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें उन्होंने अवामी लीग सरकार के सत्ता से हटने की दूसरी बरसी पर पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए और बांग्लादेश की राजनीति पर भी अपनी बात रखी।

अमेरिकी अरबपतियों में 100 साल पुराने पेड़ लगवाने का क्रेज,बड़े पेड़ बने नया स्टेटस सिंबल, नर्सरी में ग्राहकों के लिए हेलीपैड तक

न्यूयॉर्क। अमेरिका में अरबपतियों के बीच अब 100 साल पुराने और पूरी तरह विकसित पेड़

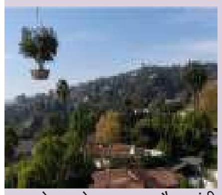

लगवाने का क्रेज बढ़ रहा है। महंगी घड़ियां, प्राइवेट जेट और सुपरकार के बाद बड़े पेड़ नया स्टेटस सिंबल बन रहे हैं। अमीर लोग अपने घर और जमीन को तुरंत भव्य दिखाने के लिए ओक, पाम और बरगद जैसे बड़े पेड़ों पर करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं। कैलिफोर्निया की नापा वैली में हाल ही में 50 फीट ऊंचे और करीब 100 टन वजनी 100 साल पुराने ओक के पेड़ को क्रेन और हाइड्रोलिक मशीनों से जमीन से निकाला गया। इसकी जड़ों को सुरक्षित रखने के लिए खास इंतजाम किए गए और फिर इसे ट्रकों से दूसरी जगह ले जाया गया। बरगद के 2 पेड़ों के लिए 4.5 करोड़ रुपएः- पाम बीच में एक अरबपति ने अपने लॉन के लिए बरगद के दो पेड़ 4.5 करोड़ रुपए में खरीदे। वहीं, एक अफ्रीकी इमली का पेड़ भी करीब 4.5 करोड़ रुपए में बिका। अमीर लोग पौधों के बड़ा होने का सालों इंतजार नहीं करना चाहते। इसलिए वे पहले से बड़े पेड़ खरीदकर अपनी संपत्ति को तुरंत भव्य और पुराना लुक दे रहे हैं। पेड़ों को लेकर पड़ोसियों में भी होड़ः-यह क्रेज अब सिर्फ पेड़ लगाने तक सीमित नहीं है। रोड आइलैंड में ओरेकल के लैरी एलिसन और ब्लैकस्टोन के स्टीफन श्वार्जमैन की संपत्तियों के बीच लैंडस्केपिंग को लेकर होड़ की चर्चा है। श्वार्जमैन ने अपनी हवेली को पड़ोसियों की नजरों से छिपाने के लिए चारों ओर 18 फीट ऊंचे 100 से ज्यादा सजावटी पेड़ लगवाए। इन पर 9 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए। पेड़ पहुंचाने के लिए हाईवे बंद कराने पड़ते हैंः-50 फीट तक ऊंचे और 100 टन वजनी पेड़ों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना आसान नहीं है। कई बार इन्हें ले जाने के लिए हाईवे बंद कराने और बिजली के तार हटाने पड़ते हैं। बड़े पेड़ों की बढ़ती मांग से इस कारोबार को भी बढ़ावा मिला है। कुछ नर्सरी मालिक तो अरबपति ग्राहकों के लिए हेलीपैड तक बनवा रहे हैं, ताकि वे हेलिकॉप्टर से आकर अपनी पसंद के पेड़ चुन सकें।

अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 190 परमाणु बम, 225 और बनाने लायक प्लूटोनियम भी मौजूद, नई मिसाइलों के साथ समुद्र में बना रहा 'न्यूक्लियर कवच'

नई दिल्ली। भारत के पास करीब 190 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। इनमें से 160 से ज्यादा हथियार ऐसी मिसाइलों और दूसरे सिस्टम के लिए तैयार हैं, जो परमाणु हमला करने में सक्षम हैं। इसके अलावा भारत ने नई मिसाइलों के लिए कुछ अतिरिक्त परमाणु वॉरहेड भी तैयार किए हैं। यह जानकारी अमेरिकी थिंक टैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) की नई रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत लगातार अपनी परमाणु ताकत को आधुनिक बना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई नए परमाणु-सक्षम हथियार सेना में शामिल किए गए हैं। वहीं, कुछ नए हथियार सिस्टम अभी तैयार किए जा रहे हैं। एफएएस का अनुमान है कि आने वाले समय में भारत के परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ सकती है। पिछले 3 साल से एवरेज 8 एटमी हथियार

बढ़ रहेः- 730 किलो प्लूटोनियम; आगे और बढ़ सकती है क्षमता-रिपोर्ट के अनुसार 2026 की शुरुआत तक भारत के पास करीब 730 किलो हथियार बनाने वाला प्लूटोनियम होने का अनुमान है। इस तरह यह 225 वॉरहेड तक बना सकता है। हालांकि रिपोर्ट खुद साफ करती है कि यह सिर्फ अनुमान है, वास्तविक संख्या वॉरहेड के डिजाइन और रिजर्व में रखी सामग्री पर निर्भर करती है। अग्नि-5ः एक मिसाइल, कई निशाने भारत ने अग्नि-5 में एमआईआरवी तकनीक का परीक्षण किया है। इसका मतलब एक मिसाइल में कई ऐसे वॉरहेड ले जाने की क्षमता विकसित करना है, जिन्हें अलग-अलग लक्ष्यों की ओर भेजा जा सकता है। 2024 के बाद मई 2026 में भी कई पेलोड के साथ परीक्षण हुआ। एफएएस का अनुमान है कि अग्नि-5 संभवतः तीन वॉरहेड ले जा सकती है, हालांकि ऐसा करने पर इसकी अधिकतम रेंज प्रभावित हो सकती है। नया रिएक्टर भी गेमचेंजर- अप्रैल 2026 में भारत के 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने पहली बार क्रिटिकलिटी हासिल की। एफएएस के अनुमान के मुताबिक 80फीसदी क्षमता पर चलने पर यह सैद्धांतिक रूप से सालाना करीब 140 किलो प्लूटोनियम-239 पैदा कर सकता है। इससे करीब 35 वॉरहेड बन सकते हैं। आगे ऐसे और फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों की योजना है। जमीन के साथ समुद्र में भी बढ़ रही ताकतः-भारत का परमाणु कवच अब समुद्र में भी मजबूत हो रहा है। परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिधमान अप्रैल 2026 में नौसेना में शामिल हुई। एफएएस के अनुसार इसमें 8 मिसाइल ट्यूब हैं, जबकि आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात में 4-4 ट्यूब हैं। ऐसी ही एक और पनडुब्बी 2027 में शामिल होने की योजना बताई गई है। आगे एस5 श्रेणी की और बड़ी परमाणु पनडुब्बियों की तैयारी भी चल रही है।

बनारस फैशन वीक का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। बनारस में पहली बार काफी बड़े स्तर पे (बनारस फैशन

वीक) मॉडलिंग और डांस का आयोजन किया गया है।जिसका ग्रैंड फिनाले होटल कार्तिक प्लेस में 8 सितंबर 2026 को कराया गया। और इसी के साथ बच्चों ने काफी अच्छे से बढ़चढ़ के इस शो में हिस्सा लिया और इस शो को अपने हुनर और टैलेंट से सजाया और इस शो को अयोजित कराया (आलोक त्रिपाठी) जी ने और इस शो को कॉर्डिनेट और मार्गदर्शन दिया (श्वेता मोदनवाल) जी ने ।। और इस शो के ब्रांड (एंबेसडर तुषार बंसल) जी और साथ ही स्पेशल जूरी मॉडल (अंजली) जी मौजूद रही। और इस शो में डांस जज़ रहे वर्ल्ड डांस ओलम्पियाड के 2nd विनर और इंडिया में डांस स्पेशल 30 बैच के टॉप 5 में नाम कर और मॉडलिंग में मिस्टर इंडिया विनर रह चुके (ऋषभ चौरसिया) जी और डांस जज़ (धीर सिंह) जी भी मौजूद रहे जिन्होंने

किंग्स यूनाइटेड मुंबई से डांस का कोर्स किया है और रियलिटी शो कर चुके है और इसी के साथ मिस पूर्वांचल (श्रद्धा श्रीवास्तव) जी,और मेकअप आर्टिस्ट जज़ (शिवांगी चौरसिया) जी और मिस प्रयागराज (इप्शिता श्रीवास्तव)जी, और इसी के साथ बहुत बेहतरीन तरह से मंच का संचालन किया और माहौल को सजाए रखा एंकर (अभिषेक शुक्ला) जी ने और इसी के साथ सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हिमांशु जी भी मौजद रहे।

मीडिया पार्टनर (आधुनिक समाचार), और इसी के साथ सफलता पूर्वक बनारस फैशन वीक 2026 संपन्न हुआ।

जन्मदिन की खुशियां बच्चों के साथ साझा कर आयोजित किया गया 'तिथि भोज',कंपोजित विद्यालय बहादुरनगर में बच्चों को कराया गया पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशन में विकासखंड अमावां

की ग्राम पंचायत बहादुरनगर स्थित कंपोजित विद्यालय में 'तिथि भोज' उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के साथ खुशियां साझा करने के साथ-साथ समाज में सेवा, सहभागिता एवं आपसी सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। तिथि भोज का आयोजन लखनऊ वित्त विभाग में तैनात रायबरेली निवासी समीक्षा अधिकारी अभिषेक गोस्वामी द्वारा अपने जन्मदिवस के अवसर पर किया गया। उन्होंने अपने जन्मदिन की खुशियों को विद्यालय के बच्चों के साथ साझा करते हुए उन्हें स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन कराया। इस पहल के माध्यम से बच्चों के प्रति अपनत्व एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का सकारात्मक संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन खंड विकास अधिकारी संदीप सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी ऋचा सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। तिथि भोज के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह एवं खुशी का वातावरण रहा। बच्चों ने सामूहिक रूप से भोजन ग्रहण किया तथा आयोजन का आनंद लिया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने कहा कि 'तिथि भोज' जैसी पहल समाज के विभिन्न वर्गों को बच्चों के साथ जुड़ने और उनके प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर प्रदान करती है। ऐसे आयोजन बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य के साथ-साथ उनमें सामाजिक जुड़ाव और सामुदायिक सहभागिता की भावना को भी मजबूत करते हैं। जन्मदिन एवं अन्य विशेष अवसरों पर जरूरतमंद एवं वंचित वर्ग के बच्चों के साथ खुशियां साझा करना समाज में संवेदनशीलता एवं सहयोग की भावना को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान नीलम सिंह, ग्राम विकास अधिकारी शिवेंद्र सिंह, विद्यालय के प्रधानाध्यापक अबशारुल मेराज जाफरी, सहायक अध्यापक राज भरत राजभर, जय सिंह यादव, शिखा सिंह, मंगेशलता, शिक्षामित्र शिव सागर एवं सीता सिंह एवं ग्राम के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

पत्रकार जनसेवा फाउंडेशन ने पत्रकार प्रफुल्ल पाण्डेय का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। पत्रकार जनसेवा फाउंडेशन

की ओर से साई एनक्लेव, सेक्टर-53 में फाउंडेशन के राष्ट्रीय सलाहकार, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्वास्तिक सहारा के ब्यूरो चीफ प्रफुल्ल पाण्डेय का जन्मदिन धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने केक काटकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामना दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन पत्रकार जनसेवा फाउंडेशन के संस्थापक एवं तोमरराज के संपादक मामराज तोमर, राष्ट्रीय अध्यक्ष विशाल तोमर, राष्ट्रीय महासचिव एसके सिंह एवं फाउंडेशन की टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर मामराज तोमर ने कहा कि प्रफुल्ल पाण्डेय ने पत्रकारिता के साथ सामाजिक सरोकारों को हमेशा प्राथमिकता दी है। उनकी निष्पक्ष एवं सकारात्मक पत्रकारिता समाज के लिए प्रेरणादायी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विशाल तोमर ने कहा कि प्रफुल्ल पाण्डेय फाउंडेशन के राष्ट्रीय सलाहकार के रूप में संगठन को निरंतर मार्गदर्शन दे रहे हैं। उन्होंने उनके स्वस्थ, सुखी एवं सफल जीवन की कामना की। राष्ट्रीय महासचिव एसके सिंह ने कहा कि प्रफुल्ल पाण्डेय की सक्रियता और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता युवा पत्रकारों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एमपी सिंह, सेवानिवृत्त कर्नल प्रदीप खरे, आरडब्ल्यूए महासचिव एवं पूर्व मंडल उपाध्यक्ष हरि किशोर कुंवर, सरस्वती मंडल महामंत्री दीपक शर्मा, अक्षय द्विवेदी, प्रभाकर दुबे, कुलदीप यादव, अजय शर्मा सहित फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।चाहें तो मैं इसे और दमदार अखबारी हेडिंग और 2-3 लाइन के फोटो कैप्शन के साथ भी तैयार कर सकता हूँ।

सीवर ओवरफ्लो की समस्या देखने पॉकेट 7 सेक्टर 82 अधिकारियों के साथ पहुंचे जीएम आरपी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। लंबे समय से सीवर

ओवरफ्लो की हो रही समस्या को देखने जीएम आर पी सिंह ने अधिकारियों के साथ सेक्टर 82 के पॉकेट 7 में पहुंचे। अधिकारियों के साथ फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा भी मौजूद रहे। मौके पर ज्यादातर सीवर ओवरफ्लो हो रहे थे। आर पी सिंह ने लापरवाही बरतने पर अधिकारियों को फटकार भी लगाई। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि पिछले ढाई साल से यह समस्या मैं लगातार उठा रहा हूं। इसके बाद परेशान होकर बुधवार को भी मैने यह समस्या फोनरवा ग्रुप पर सख्त शब्दों में रखी थी जिसके बाद बुधवार को ही प्रबंधक और अवर अभियंता मौके पर आए थे इसके बाद गुरुवार को जीएम ,वरिष्ठ प्रबंधक प्रेम चंद सैन,प्रबंधक विवेक कुमार सिंह,अवर अभियंता अशोक कुमार ने मौके पर सीवर ओवरफ्लो की स्थिति का जायजा लिया। जीएम ने सीवर लाइन जो दबी है उसको उठाने , पॉकेट की सीवर लाइन को सेक्टर 92 एसपीएस से जोड़ने , सम्पवेल बनाने और काम को तुरंत शुरू करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इसी समस्या को लेकर दो वर्ष पहले भी आर पी सिंह ने पॉकेट का दौरा किया था और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था लेकिन अब पूरा विश्वास है कि पॉकेट वासियों को सीवर ओवरफ्लो की समस्या से जल्द निजात मिल जाएगी। इस समय सीवर ओवरफ्लो से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। समस्या का मुख्य कारण सीवर के पानी का पॉकेट के बाहर की लाइन चौक होने के कारण नहीं निकल पाना है।

जब बाहर सीवर का पानी नहीं जाएगा तो ओवरफ्लो ही होगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रवि राघव, कोषाध्यक्ष सुशील पाल, विकास कुमार , गोरे लाल , रमेश शर्मा, विष्णु शर्मा, संजय शुक्ला , रोहताश कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

मीडिया क्लब में अनिल त्रिपाठी की माता जी और पत्रकार रिजवान के लिए शोक सभा हुई आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बुधवार को संगम नगरी प्रयागराज में मीडिया क्लब

के हर्ष नारायण सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया यह शोक सभा मीडिया क्लब के अध्यक्ष अनुपम शुक्ला सचिव अरुण सोनकर की मौजूदगी में आयोजित की गई।कार्यक्रम की शुरुआत शोक सभा से हुई, जिसमें सभी पत्रकारों ने 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार अनिल त्रिपाठी की माता जी और वरिष्ठ पत्रकार रिज़वान अंसारी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद मीडिया क्लब के अध्यक्ष अनुपम शुक्ला और सचिव अरुण सोनकर की मौजूदगी में पत्रकारों के लिए बेहतर कार्य करने पर जोर दिया गया। शोक सभा में शामिल होने वाले पत्रकारों में कोषाध्यक्ष टी के पांडे वरिष्ठ उपाध्याय इमरान यूसुफी उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा प्रकाशन मंत्री दिलीप जायसवाल कार्यकारिणी सदस्य सलमान अहमद,सैयद मोहम्मद आमिर,सदस्य आदित्य विक्रम सिंह,अनुराग दूबे,सुधाकर सिंह, हिमांशु त्रिपाठी, श्यामू कुशवाहा,सहबाज़,हारिश, मेहताब समेत कई पत्रकार में मौजूद रहे।

शिक्षक भर्ती को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं छात्र सड़क पर उतरे ,देर रात पुलिस द्वारा धरना स्थल से हटाए जाने पर नाराज हुए छात्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज में खाली

पड़े 60 हजार प्राथमिक शिक्षक पदों पर भर्ती की मांग को लेकर प्रयागराज में छात्रों का आंदोलन गुरुवार को और तेज हो गया। बुधवार रात धरना दे रहे छात्रों को हटाए जाने के बाद गुरुवार को करीब एक हजार छात्र-छात्राएं सिविल लाइंस में धरना स्थल के पास पहुंच गए। पुलिस ने धरना स्थल की ओर जाने वाले रास्ते पर बैरिकेडिंग कर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं हर्ष होटल के पास जुट गए। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्राएं भी शामिल हैं। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं ने कहा कि 60 हजार प्राथमिक शिक्षक पदों पर भर्ती की मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। सरकार की ओर से भर्ती को लेकर ठोस निर्णय होने तक वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे। छात्रों ने आरोप लगाया कि बुधवार रात पुलिस ने धरना दे रहे उनके कुछ साथियों को जबरन वहां से हटा दिया। प्रदर्शन के लिए लगाए गए टेंट और अन्य सामान को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। छात्रों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, इसके बावजूद पुलिस ने कार्रवाई की। वहीं छात्रों का कहना है कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती हमारा यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा या तो हमें धरना स्थल पर धरना देने दिया जाए या फिर हमारी मांग पूरी की जाए।

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के साथ कौशल विकास पर भी दें विशेष ध्यान-मुख्य विकास अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित बचपन डे केयर सेन्टर, एल-2 भवन, लोढ़ी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेन्टर में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों की शिक्षण-प्रशिक्षण व्यवस्था एवं उन्हें उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्य विकास अधिकारी ने कक्षाओं का निरीक्षण करते हुए बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों एवं प्रशिक्षण की प्रगति के संबंध में अध्यापकों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का भी अवलोकन किया तथा ड्रेस, बैग, कॉपी-किताब सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि बचपन डे केयर सेन्टर का संचालन नियमित एवं बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जाए। दिव्यांग बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी प्रतिभा एवं कौशल को विकसित करने के लिए नवाचार आधारित गतिविधियों और अन्य प्रभावी प्रयासों को बढ़ावा दिया जाए, जिससे बच्चे अधिक सक्षम एवं आत्मनिर्भर बन सकें। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्रीमती दिव्यां शुक्ला, बचपन डे केयर सेन्टर के समन्वयक श्री राहुल कुमार सिंह सहित समस्त अध्यापक एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नोएडा विधायक पंकज सिंह ने की शिष्टाचार भेंट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा विधायक पंकज

सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र के अन्नदाताओं (किसानों) के हितों, हिंडन क्षेत्र की कॉलोनियों में विद्युत कनेक्शन देने तथा क्षेत्र के अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों व जन-समस्याओं के समाधान हेतु विस्तृत चर्चा हुई। सर्वप्रथम, माननीय मुख्यमंत्री जी से 31 अगस्त 2026 को हिंडन क्षेत्र की कॉलोनियों में विद्युत विभाग द्वारा विद्युत कनेक्शन काटने की कार्रवाई को रोकने के लिए आग्रह किया था। उस पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कार्रवाई तुरंत रोकने के आदेश देने के लिए उनका धन्यवाद किया। माननीय मुख्यमंत्री जी को पंकज सिंह जी ने अवगत कराया कि हिंडन क्षेत्र की कई कॉलोनियों में लंबे समय से नए विद्युत कनेक्शन देने की प्रक्रिया बंद होने के कारण आज भी हजारों परिवार बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। यदि इन परिवारों को मानवीय दृष्टिकोण से सशर्त/अस्थायी विद्युत कनेक्शन दे दिए जाएं, तो स्थानीय नागरिकों को रोजमर्रा की कठिनाइयों से मुक्ति मिलेगी। इससे न सिर्फ बिजली चोरी पर पूर्ण विराम लगेगा, बल्कि सरकार के राजस्व में भी भारी वृद्धि होगी। साथ ही, बिजली चोरी जैसी अवैध गतिविधियों में लिप्त तत्वों पर सख्त कार्रवाई की मांग भी की। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने सभी विषयों को अत्यंत गंभीरता से सुना और सकारात्मक निर्णय का आश्वासन दिया। विशेषकर हिंडन क्षेत्र के निवासियों के लिए उन्होंने राहत भरी बात कही कि सरकार द्वारा वैधानिक विद्युत कनेक्शन देने हेतु विधि-सम्मत अग्रिम कार्रवाई कर विद्युत कनेक्शन दिए जाएंगे।

मुझे विश्वास है कि शीघ्र ही इस पर सकारात्मक निर्णय आएगा। विद्युत कनेक्शन देने के सकारात्मक आश्वासन के लिए माननीय मुख्यमंत्री का सहृदय आभार व धन्यवाद!

आईएमएस डीआईए के विद्यार्थियों ने किया हुमायूं के मकबरे का शैक्षणिक भ्रमण,ऐतिहासिक विरासत, संस्कृति और मुगल स्थापत्य कला से रूबरू हुए विद्यार्थी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित

आईएमएस डिजाइन एण्ड इनोवेशन एकेडमी (आईएमएस-डीआईए) के विद्यार्थियों ने नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक हुमायूं के मकबरे का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त ज्ञान को वास्तविक अनुभव से जोड़ते हुए भारतीय इतिहास, संस्कृति, कला एवं स्थापत्य की समृद्ध विरासत से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने हुमायूं के मकबरे की वास्तुकला, निर्माण शैली, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक महत्व को करीब से समझा तथा ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। आईएमएस के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों का समग्र विकास केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। उन्हें देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को अपने अतीत को समझने, वर्तमान से जोड़ने और भविष्य के प्रति अधिक जागरूक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर देता हैं। आईएमएस डीआईए के डीन प्रोफेसर डॉ. एम.के.वी. नायर ने बताया कि डिजाइन के विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर विषयों को प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए हुमायूं के मकबरे का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक स्थल विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास, कला और स्थापत्य की समृद्ध परंपरा से जोड़ते हैं। हमारी कोशिश है कि इस अनुभव से विद्यार्थियों अपनी जिज्ञासा, रचनात्मक सोच और सीखने की क्षमता को विकसित करेंगे। संस्थान द्वारा आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मकबरे के परिसर का अवलोकन करते हुए मुगलकालीन स्थापत्य कला की विभिन्न विशेषताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा। स्मारक की भव्य संरचना, चारबाग शैली, विशाल गुंबद, आकर्षक मेहराबों तथा लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर के कलात्मक प्रयोग ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने स्मारक की स्थापत्य संरचना के साथ-साथ इसके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों को भी जाना।

ग्लोबल एल्युमनी में जुटेंगे देश-दुनिया के पूर्व छात्र, 728 विद्यार्थियों को डिग्री और 22 मेडल मिलेंगे, स्टार्टअप का होगा शोकेस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद में

12 से 14 सितंबर तक शैक्षणिक उपलब्धियों, पूर्व छात्रों की भागीदारी, नवाचार और उद्योग-संस्थान सहयोग से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। संस्थान का 21 वां दीक्षांत समारोह 12 सितंबर को होगा, जबकि 13 सितंबर को ग्लोबल एल्युमनी मीट-2026 (GAM-2026) का उद्घाटन किया जाएगा। इस दौरान पहली बार विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट और संस्थान द्वारा पोषित चुनिंदा स्टार्टअप्स की प्रदर्शनी और डेमो भी होंगे। सबसे खास बात यह है कि एआई के दौर में जहां इंजीनियर छात्रों पर रोजगार का संकट है तो ऐसे में केंपस प्लेसमेंट होगा जिससे छात्रों को रोजगार का सुनहरा अवसर भी प्रदान किया जाएगा। झलवा परिसर के मुख्य सभागार में दोपहर 2:30 बजे 21वां दीक्षांत समारोह होगा। इसमें कुल 728 विद्यार्थियों को विभिन्न उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 466 स्नातक, 210 स्नातकोत्तर, एमटेक-पीएचडी के 13 दोहरी उपाधि धारक, एमबीए-पीएचडी का एक विद्यार्थी, कार्यरत पेशेवरों के लिए पीएचडी के सात विद्यार्थी और 31 शोधार्थी शामिल हैं। स्नातक स्तर पर 281 विद्यार्थियों को बीटेक आईटी, 140 को बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और 45 को बीटेक बिजनेस इंफॉर्मेटिक्स की उपाधि मिलेगी।समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. अरविंद ए. नाटू होंगे। वह घ्र्ऱ् कोलकाता के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और MANIT भोपाल के सदस्य हैं तथा वर्ष 2007 से जर्मन रिसर्च एंबेसडर भी हैं। प्रो. भीम सिंह और आईआईआईटी इलाहाबाद के पूर्व छात्र तथा Disseqt एआई के संस्थापक-सीईओ अपूर्व कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने, उन्हें तकनीकी समाधान में बदलने और आगे चलकर उद्यम के रूप में विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। उद्घाटन समारोह में 'विज्ञान श्री' पुरस्कार से सम्मानित प्रो. भीम सिंह, आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर एवं आईआईआईटी इलाहाबाद के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य प्रो. जे. रामकुमार और Taural India, पुणे के संस्थापक एवं सीईओ भरत गिते शामिल होंगे। 14 सितंबर को आईएसी-2026 के उद्घाटन में भरत गिते और अपूर्व कुमार विशिष्ट अतिथि होंगे। मीट के दौरान संस्थान और उद्योग जगत तथा प्रतिष्ठित पूर्व छात्र उद्यमियों के बीच दो से तीन एमओयू होने की संभावना है। इनके माध्यम से शिक्षा, शोध, नवाचार, उद्योग-संस्थान सहयोग, मेंटरशिप, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों को बढ़ावा देने की योजना है।

आज एवं 15 सितम्बर को होगा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला समाज

कल्याण अधिकारी आर0वी0 सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जनपद रायबरेली में दो स्थानों पर सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। 11 सितम्बर 2026 को निनावां मैदान, निकट साकेत नगर चौराहा, परसदेपुर तथा 15 सितम्बर 2026 को राणा बेनीमाधव मैदान, निकट विकास खण्ड अमावां में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ब्रिक्स डब्ल्यूबीए समिट में डॉ. उपासना अरोड़ा ने महिला स्वास्थ्य के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल हेल्थ और एआई के एकीकरण पर दिया जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा गाजियाबाद ब्रिक्स डब्ल्यूबीए वीमेन-लेड डेवलपमेंट समिट 2026 में यशोदा ग्रुप ऑफ

हॉस्पिटल्स की प्रबंध निदेशक एवं ब्रिक्स डब्ल्यूबीए हेल्थकेयर वर्किंग ग्रुप की चेयर डॉ. उपासना अरोड़ा ने महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल हेल्थ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एकीकृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। नई दिल्ली में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने 'इनोवेटिंग फॉर वीमेन'स हेल्थः ब्रिजिंग प्राइमरी केयर, टेक्नोलॉजी एंड एक्सेस' विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय पैनल की अध्यक्षता एवं मॉडरेशन किया। पैनल में स्वास्थ्य एवं उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने विशेष रूप से ग्रामीण और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों में महिलाओं तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के तरीकों पर चर्चा की। चर्चा के दौरान डिजिटल हेल्थ, टेलीमेडिसिन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से शुरुआती स्तर पर स्क्रीनिंग एवं बीमारी की पहचान, मातृ स्वास्थ्य, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता तथा मरीजों के प्रभावी फॉलोअप जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। डॉ. उपासना अरोड़ा ने कहा कि तकनीक तभी सार्थक साबित हो सकती है, जब उसके साथ मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और प्रभावी फॉलोअप सिस्टम मौजूद हो। महिलाओं को जागरूकता और स्क्रीनिंग से लेकर उपचार तथा उपचार के बाद की देखभाल तक निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यशोदा में यह देखा गया है कि समय पर बीमारी की पहचान, विशेषज्ञ चिकित्सा और लगातार फॉलोअप से मरीजों के स्वास्थ्य परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार संभव है। तकनीक महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी असमानताओं को कम करने में बड़ी भूमिका निभा सकती है, लेकिन यह अकेले काम नहीं कर सकती। इसके लिए मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और कुशल स्वास्थ्यकर्मियों के साथ बेहतर समन्वय आवश्यक है। पैनल में भारत, ईरान, रूस और ब्राजील के प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों ने अपने-अपने देशों की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और अनुभवों को साझा किया। इस अंतरराष्ट्रीय संवाद में महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न देशों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान और सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। डॉ. उपासना अरोड़ा की समिट में भागीदारी ब्रिक्स डब्ल्यूबीए हेल्थकेयर वर्किंग ग्रुप में उनके नेतृत्व को भी दर्शाती है।

यह कार्य समूह ब्रिक्स महिला विकास एजेंडे के तहत महिलाओं पर केंद्रित प्राथमिक एवं निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। गौरतलब है कि ब्रिक्स वूमेन्स बिजनेस अलायंस की स्थापना वर्ष 2020 में ब्रिक्स देशों में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

स्वास्थ्य सेवा भी इसके सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल है। वर्ष 2026 में भारत ब्रिक्स डब्ल्यूबीए की अध्यक्षता कर रहा है।

डीएम की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने हेतु बैठक सम्पन्न,17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होगा सेवा संकल्प अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता

में आज कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान के सफल, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी आयोजन के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अभियान के उद्देश्यों, तैयारियों, विभागीय समन्वय तथा विभिन्न गतिविधियों के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सेवा संकल्प अभियान को जनसरोकारों से जोड़ते हुए व्यापक स्तर पर प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। अभियान के अंतर्गत निर्धारित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की समयबद्ध रूपरेखा तैयार कर उनका गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना न होकर आमजन तक शासन की योजनाओं, सेवाओं एवं जनकल्याणकारी प्रयासों का प्रभावी लाभ पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने विभागों से संबंधित दायित्वों का समय से निर्धारण करते हुए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। अभियान के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को अभियान की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। सेवा संकल्प अभियान हेतु प्रमुख कार्यक्रमः- आशीर्वाद का दीयाः 17 सितंबर की शाम को प्रमुख विकास स्थलों पर दीप प्रज्वलन। रक्तदान व स्वास्थ्य शिविरः जरूरतमंदों के लिए रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य जांच शिविर। स्वच्छता अभियानः सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वतंत्रता कार्यक्रम। सेवा सेतु अभियानः नगरीय क्षेत्र/ब्लॉक स्तर पर शिविर लगाकर पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाना। सांस्कृतिक व बौद्धिक आयोजनः युवाओं के लिए भाषण व चित्रकला प्रतियोगिताएं, और सुशासन पर सेमिनार। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सुधीर गिरी, जिला पर्यटन अधिकारी पीयूष चन्द्र राय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा एवं लघु सिंचाई विभाग की योजनाओं की समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता की अध्यक्षता

में कलेक्ट्रेट सभागार में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अवसंरचनात्मक संबंधी कार्यों एवं लघु सिंचाई विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा तथा प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए। इसी क्रम में लघु सिंचाई विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने तथा शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग महिपाल सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, सहायक अभियंता लघु सिंचाई पंकज राय, एकता त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

˝DA AIIMS भोपाल ने श्थेह के साथ मिलकर रेससिटेशन ट्रेनिंग और इमरजेंसी तैयारी को मजबूत करने की पहल की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नई दिल्ली रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज भोपाल ने MedLern

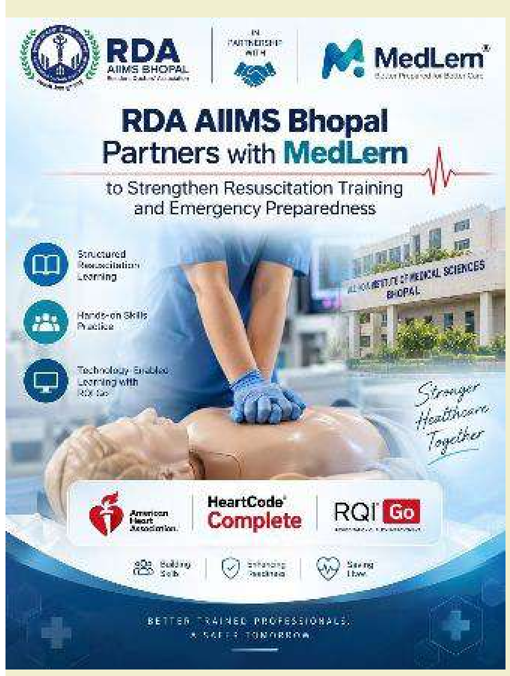

के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी का उद्देश्य HeartCode Complete pees American Heart Association (AHA) का एक कार्यक्रम है, के जरिए हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच रेससिटेशन ट्रेनिंग और इमरजेंसी के लिए तैयारी को मजबूत करना है। इस साझेदारी के lenleARभोपाल के हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को एक व्यवस्थित रेससिटेशन लर्निंग प्रोग्राम उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य इमरजेंसी की स्थिति में जरूरी रेससिटेशन स्किल्स को मजबूत करना और उनकी लगातार प्रैक्टिस में मदद करना है। गंभीर इमरजेंसी के समय मरीज की जान बचाने के लिए हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स का तेजी से और सही तरीके से प्रतिक्रिया देना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए सिर्फ कभी-कभार ट्रेनिंग लेना काफी नहीं है, बल्कि लगातार सीखने और प्रैक्टिस करते रहने की जरूरत होती है। MedLern के प्लेटफॉर्म के जरिए RDA AIIMS भोपाल के हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को HeartCode Complete की ट्रेनिंग दी जाएगी। वे अपने असाइन किए गए लर्निंग प्रोग्राम को प्लेटफॉर्म पर एक्सेस करके पूरा कर सकेंगे। HeartCode Complete प्रोग्राम को सपोर्ट करने वाला RQI Go टेक्नोलॉजी के जरिए लर्निंग और स्किल्स प्रैक्टिस का अनुभव देता है। इसमें हैंड्स ऑन ट्रेनिंग और जरूरी स्किल्स को बेहतर करने पर भी ध्यान दिया जाता है। डॉ. देबायन मंडल, प्रेसिडेंट, RDA AIIMS भोपाल, ने कहा, 'इमरजेंसी की स्थिति में तैयार रहने के लिए लगातार सीखना और प्रैक्टिकल स्किल्स की प्रैक्टिस करते रहना जरूरी है। यह साझेदारी हमारे हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को एक व्यवस्थित और व्यापक ट्रेनिंग के जरिए अपनी रेससिटेशन नॉलेज और स्किल्स को मजबूत करने का अवसर देगी।' हर्ष टोंगिया, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, MedLern, ने कहा, 'रेससिटेशन के लिए अच्छी तैयारी केवल जानकारी तक सीमित नहीं होती, बल्कि इसमें प्रैक्टिस और लगातार स्किल्स को दोहराना भी जरूरी है। हमें खुशी है कि हम RDA AIIMS भोपाल के साथ मिलकर उसके हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए HeartCode Complete उपलब्ध करा रहे हैं। श्थेह के जरिए इस प्रोग्राम को आसानी से असाइन और मैनेज किया जा सकता है, जिससे हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को व्यवस्थित तरीके से सीखने और अपनी स्किल्स को बेहतर करने में मदद मिलेगी।' प्िूण्द्दा ण्दस्ज्त्ू रेससिटेशन ट्रेनिंग के लिए एक व्यापक प्रोग्राम है, जिसमें डिजिटल लर्निंग के साथ हैंड्स ऑन स्किल्स प्रैक्टिस को जोड़ा गया है। इस प्रोग्राम को RQI उद सपोर्ट करता है, जो ट्रेनिंग के स्किल्स आधारित हिस्से और जरूरी क्षमता विकसित करने में मदद करता है। यह डिजिटल लर्निंग के साथ मिलकर हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को बेहतर तरीके से तैयार करने में मदद करता है। RDA AIIMS भोपाल और MedLern के बीच यह साझेदारी क्लिनिकल एजुकेशन को मजबूत करने और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को आसानी से उपलब्ध, व्यवस्थित और टेक्नोलॉजी आधारित लर्निंग सॉल्यूशन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। MedLern के बारे में- MedLern भारत का एक अवॉर्ड विनिंग हेल्थकेयर ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म है, जो टेक्नोलॉजी के जरिए भारत के हेल्थकेयर वर्कफोर्स तक जरूरी स्किल्स की ट्रेनिंग पहुंचाने में मदद करता है। श्थेह का विजन है कि हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स Better Prepared for Better Care यानी बेहतर देखभाल के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहें। श्थेह के साथ एक लाख से ज्यादा हेल्थकेयर वर्कर्स जुड़े हैं। भारत के 50 से ज्यादा शहरों में 350 से अधिक अस्पताल श्थेह को अपना चुके हैं,

ताकि उनके हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की स्किल्स लगातार उनकी जरूरतों और संस्थान के लक्ष्यों के अनुरूप बनी रहें। AIIMS भोपाल के बारे में-रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (RDA), ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (AIIMS) भोपाल एक प्रमुख मेडिकल एजुकेशन, रिसर्च और हेल्थकेयर संस्थान है,

जो बेहतर मरीज देखभाल, मेडिकल एजुकेशन, रिसर्च और प्रोफेशनल ट्रेनिंग के लिए काम करता है।

शासकीय अधिवक्ताओं के रिक्त पदों पर आवेदन आमंत्रित, 30 सितम्बर तक भेजे जा सकेंगे आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने बताया

कि जनपद में शासकीय अधिवक्ताओं के रिक्त पदों के सापेक्ष नवीन आबद्धता के लिए विधि परामर्शी निदेशिका के प्रस्तर 7.03 के अंतर्गत पैनल गठित कर शासन को प्रेषित किया जाना है। इसके लिए जनपद रायबरेली में अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) का एक पद, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) का एक पद तथा सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) का एक पद रिक्त है। उन्होंने बताया कि अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) पद हेतु न्यूनतम 10 वर्ष का विधि व्यवसाय करने वाले तथा 60 वर्ष से कम आयु के अधिवक्ता आवेदन कर सकते हैं। वहीं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) एवं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) पद हेतु न्यूनतम 07 वर्ष का विधि व्यवसाय करने वाले तथा 60 वर्ष से कम आयु के अधिवक्ताओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।इच्छुक पात्र अधिवक्ताओं के आवेदन निर्धारित प्रारूप पर पृथक-पृथक तीन प्रतियों में दिनांक 30 सितम्बर 2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से जिलाधिकारी, रायबरेली के पदनाम पर भेजे जा सकेंगे। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्र में मांगी गई सूचना अपूर्ण, अस्पष्ट अथवा त्रुटिपूर्ण पाए जाने पर आवेदन स्वतः निरस्त माना जाएगा। आवेदन पत्र के प्रपत्र 'क' एवं 'ख' की सूचना देवनागरी लिपि (हिन्दी) में ए-4 साइज के कागज पर टंकित होना अनिवार्य है। आवेदन ए-4 साइज के सीलबंद लिफाफे में भेजा जाए, जिस पर प्रेषक का नाम, पिता का नाम, पता, मोबाइल नंबर तथा आवेदित पद का नाम स्पष्ट रूप से अंकित किया जाए। आवेदन के साथ शैक्षिक अभिलेख, निवास प्रमाण पत्र, आधार तथा अधिवक्ता पंजीकरण/सीओपी संख्या की छायाप्रतियां आवेदक द्वारा स्वप्रमाणित कर संलग्न करना अनिवार्य होगा। निर्धारित प्रारूप एवं आवश्यक अभिलेखों के बिना अथवा अपूर्ण आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सीडीओ की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा एवं लघु सिंचाई विभाग की योजनाओं की समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अवसंरचनात्मक संबंधी कार्यों एवं लघु सिंचाई विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा तथा प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए। इसी क्रम में लघु सिंचाई विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने तथा शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग महिपाल सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, सहायक अभियंता लघु सिंचाई पंकज राय, एकता त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आशा की किरण बनी वन स्टॉप सेंटर की टीम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को वन स्टॉप सेंटर सोनभद्र को अज्ञात महिला को उसके परिवारजन को सुपुर्द किया गया। दिनांक 06.09.2016 को ओबरा थाना क्षेत्र में लावारिश हालात में पाया गया था और सूचना मिलने के पश्चात महिला को वन स्टॉप सेंटर पर लाया गया।महिला को भोजन एवं इलाज मिलने के बाद वह बात करने में सहज हो गई और काउंसिल के दौरान अपने परिवार की पूरी जानकारी दी,जिसके पश्चात ग्राम प्रधान जुगैल के बेहतर सहयोग से महिला को परिवारवालों को सुपुर्द किया गया।

पोषाहार को लेकर महिलाओं ने किया शिवाखाड़ी में प्रदर्शन, किया कार्रवाई की मांग,महिलाओं ने लगाया आंगनबाड़ी कार्यकर्ती पर पोषाहार घोटाला करने का आरोप, मामला पहुंचा डीएम कार्यालय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोन/सोनभद्र। विकास खंड कोन के ग्राम पंचायत कुड़वॉ के टोला आंगनबाड़ी कार्यकर्ती और सुपरवाईजर की मिलीभगत से पोषाहार का बंदरबांट कर लिया

शिवाखाड़ी स्थित आंगन बाड़ी केंद्र भुईंया टोली में आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा वर्षों से गर्भवती महिलाओं व बच्चों को मिलने वाला पोषाहार घोटाला करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसके क्रम में महिलाओं ने उर्मिला देवी के अगुवाई में जमकर प्रदर्शन करते हुए आंगनबाड़ी के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और तत्काल बर्खास्त करने की मांग किया है। प्रदर्शन में मुख्य रूप से उर्मिला देवी,सिमित्रि, पर्मिला देवी , तिल्कि, मीना, मानकुवंर देवी रहीं। बतादें कि जिलाधिकारी व बाल विकास परियोजना अधिकारी चोपन को भेजे गए शिकायाती पत्र में उल्लेख किया है कि वर्षों से आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा पोषहार वितरण नहीं किया जाता बल्कि जाता है और वहीं महिलाओं द्वारा पोषाहार मांगे जाने पर उनके परिजनों को फर्जी केश में फंसाने की खुलेयाम धमकी दी जाती है। जिसके क्रम में अनिता, प्रमिला,उर्मिला,आरती, सोनी पूजा सहित दर्जनों महिलाओं ने जिलाधिकारी व जिला कार्य क्रम अधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए प्रकरण की निष्पक्ष जाँच कराकर दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग किया है। इस बावत बाल विकास परियोजना अधिकारी चोपन ने कहा कि मामला अभी कार्यालय में नहीं पहुंचा है अगर ऐसा है तो प्रकरण की जाँच कराकर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या महिलाओं को पोषाहार मिल पायेगा या संबंधित अधिकारियों के कागजों की भेंट चढ़ जायेगा।

सोनभद्र की 103 ग्राम पंचायतों में स्थापित होंगी डिजिटल लाइब्रेरी,ग्रामीण विद्यार्थियों एवं युवाओं को मिलेगा डिजिटल शिक्षा और ज्ञान का नया मंच

गांव में ही मिलेगी आधुनिक शिक्षा की सुविधा, युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र की 103

ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की दिशा में शासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बताया है कि इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों, युवाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को आधुनिक डिजिटल संसाधनों से जोड़ना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उनके गांव में ही उपलब्ध कराना है। डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से विद्यार्थियों को ई-बुक्स, डिजिटल अध्ययन सामग्री, शैक्षणिक वीडियो, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री एवं अन्य ज्ञानवर्धक संसाधनों तक पहुंच उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भरता कम होगी। इस परियोजना से विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों और ग्रामीण युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता से विद्यार्थी नई तकनीक के साथ जुड़ेंगे और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे। डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना से ग्राम पंचायत स्तर पर ऐसा अध्ययन वातावरण तैयार करने की परिकल्पना है, जहां विद्यार्थी शांतिपूर्ण माहौल में अध्ययन कर सकें और इंटरनेट आधारित शैक्षणिक संसाधनों का उपयोग कर सकें। इससे डिजिटल शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने और ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। डिजिटल लाइब्रेरी में उपलब्ध कराए जाने वाले संसाधनों का उपयोग विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा भी कर सकेंगे। ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, सामान्य ज्ञान, डिजिटल पुस्तकें और अन्य शैक्षणिक सामग्री युवाओं को अपने लक्ष्य की तैयारी में सहयोग प्रदान करेगी। जनपद सोनभद्र की 103 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, तकनीक और ज्ञान की पहुंच को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

इससें आने वाले समय में गांवों के विद्यार्थियों और युवाओं के लिए अध्ययन एवं ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकती है।

मूल्यांकन सूची पर प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में दिनांक 15 सितम्बर 2026 से नई मूल्यांकन सूची लागू किया जाना प्रस्तावित है। इसके दृष्टिगत आज जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में गठित आपत्ति निराकरण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रस्तावित मूल्यांकन सूची पर प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों का बिंदुवार परीक्षण करते हुए उनके निस्तारण के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), सहायक महानिरीक्षक निबंधन, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त उपनिबंधक एवं समस्त तहसीलदार उपस्थित रहे। समिति द्वारा प्राप्त आपत्तियों पर उपलब्ध अभिलेखों, तथ्यों एवं क्षेत्रीय परिस्थितियों के आधार पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विंध्य एक्सप्रेसवे से प्रभावित होने वाले ग्रामों के संबंध में प्राप्त सुझाव पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। सुझाव में इन ग्रामों की वर्तमान विकास स्थिति, संभावित विकास एवं आसपास के ग्रामों में प्रचलित/प्रस्तावित दरों को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन दरों में आवश्यक वृद्धि किए जाने का आग्रह किया गया। जिलाधिकारी ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त ग्रामों की वास्तविक विकास स्थिति एवं आसपास के ग्रामों की दरों का तुलनात्मक परीक्षण करते हुए सकारात्मक, पारदर्शी एवं तथ्यों पर आधारित दृष्टिकोण के साथ प्रस्ताव पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि आपत्तियों एवं सुझावों का निस्तारण करते समय किसानों एवं भू-स्वामियों के हितों का समुचित ध्यान रखते हुए, नियमानुसार उन्हें भूमि के वास्तविक एवं उचित मूल्य के अनुरूप प्रतिकर प्राप्त हो, यह सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने सभी आपत्तियों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण कर आवश्यक संशोधनों के साथ अंतिम मूल्यांकन सूची तैयार करने तथा 15 सितम्बर 2026 से इसे लागू किए जाने के निर्देश दिए।

अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 10 से 25 सितम्बर तक मिलेगा निःशुल्क खाद्यान्न,अन्त्योदय कार्डधारकों को जुलाई, अगस्त व सितम्बर की 3 किलो चीनी भी मिलेगी, रु18 प्रति किलो निर्धारित दर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी

ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को माह सितम्बर 2026 के खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2026 तक कराया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 10 किलोग्राम गेहूं एवं 25 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल शामिल है, निःशुल्क दिया जाएगा। इसके साथ ही जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर 2026 के सापेक्ष 3 किलोग्राम चीनी रूपया 18 प्रति किलोग्राम की दर से कुल रूपया 54 में उपलब्ध कराई जाएगी। चीनी के लिए पोर्टेबिलिटी की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी तथा लाभार्थी अपने मूल उचित दर विक्रेता से ही चीनी प्राप्त कर सकेंगे। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 1 किलोग्राम गेहूं एवं 4 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल शामिल है, निःशुल्क वितरित किया जाएगा। जिन कार्डधारकों का अंगूठा बायोमेट्रिक सत्यापन में स्वीकार नहीं हो पा रहा है, उन्हें मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से 25 सितम्बर को खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। ई-पॉस मशीन से वितरण में समस्या होने पर प्रॉक्सी सुविधा का लाभ भी नियमानुसार दिया जाएगा।

जिला पूर्ति अधिकारी ने कार्डधारकों से निर्धारित अवधि में उचित दर दुकान पर उपस्थित होकर ई-केवाईसी कराने की भी अपील की है, ताकि खाद्यान्न का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त होता रहे।

करमा महोत्सव बनेगा सोनभद्र की जनजातीय संस्कृति की पहचान- मंत्री

भव्य आयोजन के साथ देश-दुनिया तक पहुंचेगी जनपद की समृद्ध लोक एवं जनजातीय विरासत,करमा महोत्सव की तैयारियों को लेकर समाज कल्याण राज्य मंत्री की अध्यक्षता में बैठक,चोपन के कोटा गॉव से होगा करमा महोत्सव का शुभारंभ, प्रशासन और आयोजन से जुड़े कार्यकर्ता मिलकर संभालेंगे जिम्मेदारी,महोत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए तैयार होगी प्रभावी कार्ययोजना-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच देने की दिशा में करमा महोत्सव को इस वर्ष भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में आज सर्किट हाउस सभागार में प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव गौड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर महोत्सव की तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में आयोजन को जनपद की सांस्कृतिक पहचान के रूप में स्थापित करने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव गौड़ ने कहा कि करमा महोत्सव का आयोजन जनपद में भव्य, गरिमापूर्ण एवं भावपूर्ण तरीके से किया जाए।

उन्होंने कहा कि सोनभद्र की जनजातीय संस्कृति अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। करमा महोत्सव के माध्यम से यहां की लोक परंपराओं, कला, संस्कृति और विरासत को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महोत्सव से संबंधित सभी तैयारियां बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूरी की जाएं। उन्होंने बताया कि करमा महोत्सव का शुभारंभ चोपन ब्लॉक के कोटा गॉव में प्रशासन एवं करमा महोत्सव से जुड़े कार्यकर्ताओं के सहयोग और सहभागिता से किया जाएगा। आयोजन में जनजातीय समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक स्वरूप को प्रमुखता दिए जाने के साथ ही कार्यक्रम को अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि करमा महोत्सव को जनपद में व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप प्रदान करने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि सोनभद्र की समृद्ध सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत को उच्च स्तर पर प्रस्तुत करते हुए महोत्सव को व्यापक पहचान दिलाई जाए। इसके लिए आयोजन से जुड़ी सभी गतिविधियों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार की प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि जनपद की विशिष्ट लोक एवं जनजातीय संस्कृति अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि महोत्सव की तैयारियों में किसी प्रकार की कमी न रहे और सभी व्यवस्थाएं आपसी समन्वय के साथ समय से पूर्ण की जाएं। बैठक में अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष श्री जीत सिंह खरवार, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, क्षेत्रीय मंत्री श्री रामसुंदर निषाद, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला पंचायत राज अधिकारी नामिता शरण, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स

ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद हैं लौंग, डॉक्टर से जानें हेल्थ बेनिफिट्स, किन कंडीशंस में न खाएं, ज्यादा खाने के नुकसान

नयी दिल्ली। दांतों में दर्द, मसूड़ों से खून आना, मुंह से बदबू आना या बार-बार होने वाला इंफेक्शन, ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनसे बड़ी संख्या में लोग परेशान रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी रसोई में मौजूद एक छोटा-सा मसाला इन परेशानियों से बचाव में मदद कर सकता है? हम बात कर रहे हैं लौंग की। 'जर्नल ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्रिवेंटिव एंड कम्युनिटी डेंटिस्ट्री' के मुताबिक, करीब 95फीसदी वयस्क किसी-न-किसी ओरल हेल्थ समस्या से जूझते हैं। वहीं, हाल की कुछ स्टडीज बताती हैं कि लौंग में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड्स मसूड़ों की सूजन कम करने और दांतों पर जमे प्लाक को घटाने में मदद कर सकते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज बात करेंगे लौंग के ओरल हेल्थ बेनिफिट्स की। साथ ही जानेंगे कि- लौंग में कौन-से पोषक तत्व होते हैं? इसे कितनी मात्रा में खाना सेफ है? किन लोगों को लौंग नहीं खानी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लिनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- लौंग में कौन-से एक्टिव कंपाउंड्स होते हैं? जवाब- लौंग में कई एक्टिव कंपाउंड्स होते हैं, जो इसे सेहत के लिए फायदेमंद बनाते हैं। जैसे- यूजेनॉलः दर्द और सूजन कम करने में मदद करता है। यूजेनाइल एसीटेटः इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करता है। बीटा-कैरियोफाइलीनः सूजन और दर्द से राहत दिलाता है। गैलिक एसिडः सेल्स को फ्री-रेडिकल्स से बचाता है। टैनिन्सः बैक्टीरिया से बचाता है और सेल्स की सुरक्षा करता है। फ्लेवोनॉयड्सः इंफ्लेमेशन कम करता है। ट्राइटरपेनॉइड्सः ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम करता है। सवाल- जब हम लौंग चबाते हैं तो शरीर में क्या होता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- चबाने पर यूजेनॉल रिलीज होता है, जो लौंग का सबसे प्रमुख एक्टिव कंपाउंड है। लार का प्रोडक्शन ज्यादा होता है, जिससे खाना पचाने की प्रक्रिया बेहतर होती है। मुंह को नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टीरिया कम होते हैं। सांसों की स्मेल कुछ समय के लिए कम हो सकती है। दांत और मसूड़ों में हल्का सुन्नपन महसूस हो सकता है। इससे दांत दर्द में अस्थायी राहत मिल सकती है। एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी कंपाउंड्स शरीर में पहुंचते हैं, जो सेल्स को डैमेज और इंफ्लेमेशन से बचाने में मदद करते हैं। सवाल- रोज लौंग खाने से क्या फायदे होते हैं? जवाब- डेली सीमित मात्रा में लौंग खाने से इसमें मौजूद यूजेनॉल और दूसरे एक्टिव कंपाउंड्स शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूरा, पाचन को सपोर्ट करे। मुंह की बदबू कम करे। मसूड़ों को स्वस्थ रखे। मुंह के बैक्टीरिया से लड़े। मसूड़ों की स्वेलिंग कम करे। इम्यूनिटी को सपोर्ट करे। ब्लड शुगर कंट्रोल करे। लिवर हेल्थ को सपोर्ट करे। ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम करे। सवाल- किन हेल्थ कंडीशंस में लौंग सबसे ज्यादा फायदेमंद है?जवाब- लौंग कुछ सामान्य हेल्थ प्रॉब्लम्स में राहत पहुंचाती है, जैसेकि- दांत दर्द में। मसूड़ों की सूजन में मुंह की बदबू में। गले की हल्की खराश में गैस और अपच में। हल्की सूजन में।

सवाल- क्या लौंग खाने से मेमोरी बढ़ती है? जवाब- नहीं, ये कहना सही नहीं होगा। हालांकि इसमें मौजूद यूजेनॉल और दूसरे एंटीऑक्सिडेंट कंपाउंड्स ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। ये दोनों चीजें ब्रेन को हेल्दी रखने में मदद करती हैं। सवाल- लौंग कब खाना चाहिए? जवाब- डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि इसका कोई तय समय नहीं है। जरूरत और उद्देश्य के अनुसार इसे सीमित मात्रा में कभी-भी खा सकते हैं। लेकिन इन बातों का ध्यान रखें- पाचन के लिए,खाना खाने के बाद लौंग चबा सकते हैं। इससे पाचन में मदद मिलती है और कुछ समय के लिए सांसों की स्मेल भी कम होती है। गले की खराश के लिए, हल्की खराश होने पर 1-2 लौंग चबा सकते हैं। इससे कुछ लोगों को अस्थायी राहत मिल सकती है। सवाल- लौंग का पानी ज्यादा फायदेमंद है या साबुत लौंग चबाना? जवाब- आमतौर पर साबुत लौंग चबाना इसका पानी पीने से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। चबाने पर लौंग का एसेंशियल ऑयल सीधे निकलता है।

इसमें यूजेनॉल समेत कई एक्टिव कंपाउंड्स भरपूर मात्रा में होते हैं। लौंग का पानी बनाने पर इनमें से कुछ ही तत्व पानी में घुल पाते हैं।

अगर किसी को साबुत लौंग चबाने में दिक्कत हो तो लौंग का पानी भी एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। सवाल- एक दिन में कितनी लौंग खाना सेफ है? जवाब- डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि प्रतिदिन 1-2 साबुत लौंग खाना सेफ है। इससे ज्यादा खाना नुकसानदायक हो सकता है। सवाल- किन लोगों को लौंग खाते हुए सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- एक स्वस्थ वयस्क के लिए सीमित मात्रा में लौंग सेफ मानी जाती है। लेकिन कुछ लोगों को इसे खाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं। ब्रेस्टफीडिंग महिलाएं। जिन्हें लौंग से एलर्जी है। जिन्हें डायबिटीज है। जो ब्लड थिनर्स लेते हैं। जिनकी सर्जरी होते वाली है। जिन्हें पेट में अल्सर है। जिन्हें एसिडिटी है। सवाल- क्या लौंग किसी दवा के असर को प्रभावित कर सकती है? जवाब- हां, ज्यादा मात्रा में लौंग या लौंग का तेल कुछ दवाओं के असर को प्रभावित कर सकता है, जैसेकि-ब्लड थिनर्स। डायबिटीज की दवाएं। सर्जरी से पहले दी जाने वाली कुछ दवाएं। लौंग में यूजेनॉल होता है,

जो ब्लड क्लॉटिंग प्रोसेस और ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकता है।

अगर नियमित ब्लड थिनर या शुगर की दवा लेते हैं तो लौंग या लौंग का तेल यूज करने से पहले डॉक्टर की सलाह लें। सवाल- क्या ज्यादा लौंग खाने से नुकसान हो सकता है? जवाब- हां, जरूरत से ज्यादा लौंग खाने पर इसके कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

सभी साइड इफेक्ट्स देखिए- पेट में जलन, एसिडिटी, मतली, उल्टी, ब्लड शुगर बहुत कम होना, पेट दर्द, मुंह, गले में ब्लीडिंग, लिवर टॉक्सिसिटी। लौंग से जुड़े कुछ कॉमन सवाल-जवाब-सवाल- क्या गले की खराश में लौंग चबाना फायदेमंद है?

जवाब- हां, हल्की खराश में लौंग चबाने से कुछ राहत मिल सकती है। इसमें मौजूद यूजेनॉल हल्का सुन्नपन पैदा करता है, जिससे दर्द कम महसूस हो सकता है।

इसके एंटीबैक्टीरियल गुण कुछ बैक्टीरिया से लड़ने में भी मदद कर सकते हैं। सवाल- क्या लौंग चबाने से दांतों पर दाग पड़ते हैं?

जवाब- नहीं, लौंग से दांतों पर दाग नहीं पड़ते, बल्कि इससे ओरल हेल्थ को फायदा होता है। सवाल- लौंग चबाने के बाद उसे निगलना चाहिए या फेंक देना चाहिए?

जवाब- अगर लौंग अच्छी तरह चबाने के बाद मुलायम हो गई है, तो उसे निगल सकते हैं। अगर स्वाद पसंद न आए, तो थूक सकते हैं।

लौंग के ज्यादातर एक्टिव कंपाउंड्स चबाने के दौरान ही निकल जाते हैं। सवाल- क्या रात में लौंग का पानी पीना फायदेमंद है?

जवाब- हां, इससे पाचन को सपोर्ट मिल सकता है और सुबह पेट फूलने की समस्या कुछ हद तक कम हो सकती है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुण मुंह साफ रखते हैं, जिससे सुबह सांसों की स्मेल कम हो सकती है।

एशियन गेम्स से पहले डोपिंग के दो मामले-17 साल के तैराक पर 18 महीने का बैन, एशियाड से बाहर, पहलवान दीपक भी घेरे में

स्पोर्ट डेस्क। एशियन गेम्स से पहले भारत के दो खेलों में डोपिंग के मामले सामने आए हैं। 17 साल के एक भारतीय तैराक पर प्रतिबंधित टरबुटालाइन मिलने के बाद 18 महीने का बैन लगाया गया है, जिससे वह एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले सकेगा। वहीं ग्रीको रोमन पहलवान दीपक के 31 मई को लिए गए यूरिन सैंपल में प्रतिबंधित क्लोमीफीन मिला है। दीपक का मामला अभी डोपिंग रोधी प्रक्रिया में है और उन पर फिलहाल अस्थायी निलंबन नहीं लगाया गया है। दोनों खिलाड़ी एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई कर चुके थे। तैराक ने दो इवेंट के लिए जगह बनाई थी, जबकि दीपक ने 31 मई को लखनऊ में हुए चयन ट्रायल में जीत हासिल कर टीम में जगह बनाई थी। तैराक को 18 महीने का बैन, जुड़वां भाई टीम मेंः- 17 सान के तैराक के सैंपल में फरवरी में टरबुटालाइन पाया गया था। यह एंटी-डोपिंग नियमों के तहत प्रतिबंधित बीटा-2 एगोनिस्ट है। इसके बाद उसका नाम एशियन गेम्स की संभावित टीम से हटा दिया गया था। मामले की सुनवाई पिछले हफ्ते हुई और बुधवार सुबह उस पर 18 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने सुनवाई जल्द कराने की मांग की थी, ताकि अगर उसे राहत मिलती तो एशियन गेम्स के लिए टीम में शामिल किया जा सके। खिलाड़ी नाबालिग होने के कारण उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस मामले में उसका जुड़वां भाई भारतीय एशियन गेम्स टीम का हिस्सा है और जापान में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। पहलवान दीपक के सैंपल में क्लोमीफीनः- दिल्ली के 25 साल के ग्रीको रोमन पहलवान दीपक के सैंपल में क्लोमीफीन मिला है। यह पदार्थ 2026 की वर्ल्ड डोपिंग रोधी एजेंसी (WADA) की प्रतिबंधित सूची में एस4 श्रेणी में शामिल है। NADA के मुताबिक, उनका सैंपल 31 मई को लखनऊ में हुए एशियन गेम्स चयन ट्रायल के दौरान लिया गया था। 23 जुलाई को सैंपल में असामान्य निष्कर्ष सामने आया। इसके बाद जांच की गई और 17 अगस्त को दीपक का इंटरव्यू हुआ। दीपक के सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ मिला है। हालांकि, अभी उन पर अस्थायी निलंबन नहीं लगाया गया है। उन्हें B सैंपल की जांच कराने का अधिकार है। मामले की अंतिम जांच के बाद ही तय होगा कि उनके खिलाफ डोपिंग नियमों के तहत आगे क्या कार्रवाई होगी।' डब्लूएफआई ने टीम से नाम हटाया- भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्लूएफआई) ने दीपक का नाम एशियन गेम्स टीम से वापस ले लिया है। वह भारतीय डाक सेवा से एशियन गेम्स के लिए टीम में जगह बनाने वाले पहले पहलवान थे। डब्लूएफआई के एक अधिकारी के मुताबिक, दीपक ने चयन ट्रायल में जीतकर कोचों को प्रभावित किया था। इससे पहले उन्होंने फेडरेशन कप में पदक जीता था। हालांकि, वे कभी राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं रहे थे। अगर बी सैंपल में भी क्लोमीफीन की पुष्टि होती है या दीपक B सैंपल की जांच कराने से इनकार करते हैं, तो उनके खिलाफ डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हो जाएगी। उन्हें ए सैंपल के नतीजे को चुनौती देने के लिए B सैंपल की जांच कराने का अधिकार है। कुश्ती में तीन स्थानों पर असरः-दीपक का मामला सामने आने से पहले पुरुष फ्रीस्टाइल 86 किग्रा वर्ग के मुकुल दहिया और ग्रीको रोमन 130 किग्रा वर्ग के दीपांशु के खिलाफ भी डोपिंग मामले सामने आ चुके हैं।डब्लूएफआई का कहना है कि अगर उसे इन मामलों के नतीजे समय पर मिल जाते, तो इन पहलवानों की जगह दूसरे खिलाड़ियों को भेजकर एशियन गेम्स के तीन स्थान बचाए जा सकते थे। फेडरेशन के मुताबिक, दीपांशु का सैंपल मार्च में लिया गया था, लेकिन उसका नतीजा जुलाई में मिला। मुकुल और दीपक के सैंपल 31 मई को लिए गए थे और उनके नतीजे बाद में मिले। 19 सितंबर से शुरू होंगे एशियन गेम्स- आईची-नागोया एशियन गेम्स 19 सितंबर से जापान में शुरू होंगे। डोपिंग के इन मामलों का असर भारतीय दल के दो खेलों पर पड़ा है। तैराकी में 17 वर्षीय खिलाड़ी 18 महीने के प्रतिबंध के कारण बाहर हो चुका है, जबकि कुश्ती में दीपक का मामला अभी प्रक्रिया में है और उनकाँ सैंपल जांच के लिए भेजा जाता है या नहीं, यह आगे तय होगा।

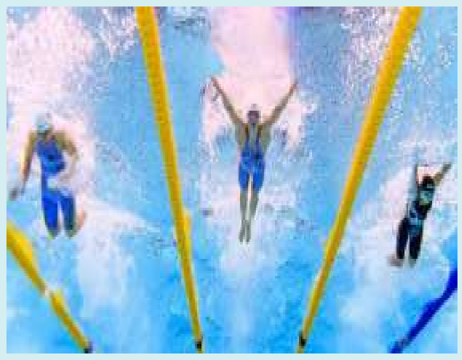

भारत से मैच के लिए ब्राजील फुटबॉल टीम का ऐलान,विनीसियस-राफिन्हा 3 अक्टूबर कोलकाता में खेलेंगे, एंसेलोटी ने कासेमिरो को टीम से बाहर रखा गया

स्पोर्ट डेस्क। ब्राजील के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर और राफिन्हा 3 अक्टूबर को कोलकाता में साल्ट लेक स्टेडियम में भारत के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। कोच कार्लो एंसेलोटी ने ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ फ्रेंडली मैचों के लिए 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इसमें विनीसियस, राफिन्हा, मार्क्विन्होस और ब्रूनो गुइमारेस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। ब्राजील और भारत के बीच यह पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में शाम 7:30 बजे खेला जाएगा। एंसेलोटी ने युवाओं पर लगाया दांव, कासेमिरो-एलिसन बाहरः- 2026 वर्ल्ड कप में नॉर्वे से हारकर राउंड ऑफ 16 से बाहर होने के बाद एंसेलोटी ने ब्राजील की टीम में बदलाव शुरू कर दिया है। उन्होंने पेड्रो मोरिस्को, ओटावियो, माउरो जूनियर, ब्रेनो बिडोन और गेब्रियल बोन्टेम्पो जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया है। इनमें कुछ खिलाड़ी 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक के लिए भी पात्र हैं। वहीं नेमार ने 34 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है, जबकि कासेमिरो और गोलकीपर एलिसन को इस बार टीम में जगह नहीं मिली। दूसरी ओर विनीसियस जूनियर, राफिन्हा, कप्तान मार्क्विन्होस और ब्रूनो गुइमारेस जैसे प्रमुख खिलाड़ियों पर एंसेलोटी ने भरोसा कायम रखा है। चेल्सी के जोआओ पेड्रो और एस्टेवाओ की भी टीम में वापसी हुई है। जोआओ पेड्रो और एस्टेवाओ की वापसीः- चेल्सी के फॉरवर्ड जोआओ पेड्रो और एस्टेवाओ की टीम में वापसी हुई है। जोआओ पेड्रो को वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिली थी, जबकि एस्टेवाओ चोट के कारण टूर्नामेंट से पहले बाहर हो गए थे। अब दोनों को एंसेलोटी ने नए दौर की टीम में फिर मौका दिया है। रियल मैड्रिड के एंड्रिक भी 26 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। भारत आने से पहले ऑस्ट्रेलिया से दो मैचः-ब्राजील भारत पहुंचने से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो दोस्ताना मैच खेलेगी। पहला मुकाबला 25 सितंबर को टाउन्सविले के क्वींसलैंड कंट्री बैंक स्टेडियम में और दूसरा 29 सितंबर को ब्रिसबेन के सनकॉर्प स्टेडियम में होगा। इसके बाद टीम कोलकाता पहुंचेगी। 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबला ब्राजील के वर्ल्ड कप के बाद के नए दौर का तीसरा मैच होगा। ब्राजील 2002 के बाद से वर्ल्ड कप नहीं जीता- ब्राजील पांच बार वर्ल्ड कप जीत चुका है, लेकिन टीम को 2002 के बाद से छठे खिताब का इंतजार है। 2026 वर्ल्ड कप में भी टीम नॉर्वे से हारकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई थी। एंसेलोटी के सामने अब इस निराशा से उबरकर ऐसी टीम तैयार करने की चुनौती है, जो 2030 वर्ल्ड कप में खिताब के लिए मजबूत दावेदार बन सके। 26 सितंबर को पनामा से खेलेगा भारत टीम इंडिया 26 सितंबर को पनामा से भी फ्रेंडली मैच खेलेगी। यह मैच बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में होगा। भारत का यह किसी वर्ल्ड कप खेलने वाले देश के खिलाफ पहला फ्रेंडली मैच होगा। पनामा इस समय वर्ल्ड रैंकिंग में 44वें नंबर पर है। सेंट्रल अमेरिकी देश पनामा ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लिया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्राजील की टीम-गोलकीपर्सः ह्यूगो सूजा, पेड्रो मोरिस्को, ओटावियो डिफेंडर्सः अर्थर डियास, डगलस सेंटोस, गेब्रियल मैगालहेस, जायर कुन्हा, मार्क्विन्होस, मैथ्यूज़िन्हो, माउरो जूनियर, विटोर रीस, वेस्ले मिडफील्डर्सः एंड्री सेंटोस, ब्रेनो बिडोन, ब्रूनो गुइमारेस, डैनिलो, डगलस लुइज, गेब्रियल बोन्टेम्पो फॉरवर्ड्सः एंड्रिक, विनीसियस जूनियर, एस्टेवाओ, जोआओ पेड्रो, पेड्रो, सैमुअल लीनो, राफिन्हा, रायन।

कोको गॉफ यूएस ओपन के सेमीफाइनल में,एलिना रायबकिना नई वर्ल्ड नंबर-1 बनीं, एलेक्जेंडर ज्वेरेव भी अंतिम-4 में

स्पोर्ट डेस्क। यूएस ओपन टेनिस के विमेंस सिंगल्स में कोको गॉफ और एलेना रायबकिना सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं, जबकि मेंस सिंगल्स में एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अंतिम-4 में जगह बना ली है। गॉफ ने मिर्रा एंड्रीवा को हराया, वहीं रायबकिना ने झेंग किनवेन को 3-6, 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ रायबकिना पहली बार वर्ल्ड नंबर-1 बनीं। अब सेमीफाइनल में गॉफ और रायबकिना आमने-सामने होंगी। गॉफ ने वापसी कर दो मैच पॉइंट बचाए- विमेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में गॉफ ने पहला सेट 2-6 से गंवा दिया था। दूसरे सेट के टाईब्रेक में वह दो मैच पॉइंट पर थीं, लेकिन दोनों बचाकर सेट अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक सेट में उन्होंने एंड्रीवा को 6-2 से हराकर मुकाबला जीत लिया। यह गॉफ का यूएस ओपन में दूसरी बार महिला सिंगल्स सेमीफाइनल है। अब उनका सामना दूसरी रायबकिना से होगा। रायबकिना ने पहली बार नंबर-1 रैंकिंग हासिल की- रायबकिना ने झेंग के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही वह विमेंस टेनिस की नई वर्ल्ड नंबर-1 बन गईं। वह इस रैंकिंग तक पहुंचने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी हैं। रायबकिना अब अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ खेलेंगी। इस साल वह ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीत चुकी हैं। 2009 के बाद पहली बार टॉप-4 विमेंस प्लेयर्स सेमीफाइनल में-यूएस ओपन महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में इस बार चारों टॉप-4 खिलाड़ी पहुंची हैं। नई वर्ल्ड नंबर-1 एलेना रायबकिना के अलावा आर्यना सबालेंका दूसरे, जेसिका पेगुला तीसरे और कोको गॉफ चौथे नंबर पर हैं। किसी ग्रैंड स्लैम में ऐसा 2009 के विंबलडन के बाद पहली बार हुआ है। पुरुष सिंगल्स में शेल्टन बनाम टियाफो- यूएस ओपन के मेंस सिंगल्स में अमेरिका के बेन शेल्टन और फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। यह ओपन एरा में किसी ग्रैंड स्लैम के पुरुष सिंगल्स सेमीफाइनल में दो अश्वेत अमेरिकी खिलाड़ियों की पहली भिड़ंत होगी।

शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज को पांच सेट में हराया था। यह मुकाबला रात 3:33 बजे खत्म हुआ, जो यूएस ओपन इतिहास का सबसे देर से खत्म होने वाला मैच बना। ज्वेरेव बनाम खाचानोव के बीच दूसरा सेमीफाइनल-मेन्स के दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना रूस के करेन खाचानोव से होगा। खाचानोव को एलेक्जेंडर ब्लॉक्स के रिटायर होने के बाद सेमीफाइनल में जगह मिली, जबकि ज्वेरेव ने बोटिक वान डे जैंडशुल्प को हराकर अंतिम-4 में प्रवेश किया।

जल्दी में बनाया गया वो इंफ्रास्ट्रक्चर किस काम का, जो टिका ही नहीं?

ये सच है कि देश में इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। लेकिन परियोजनाओं के पूरा होने के चंद दिनों में ही उनमें लगातार

सामने आ रही खामियां चिंता का विषय हैं। भारी-भरकम बजट से तैयार और हाल ही में शुरू हुए लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे में सर्फेस स्लिपेज, दरारें पड़ने, जमीन धंसने और गड्ढे होने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इससे पहले दिल्ली-देहरादून और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे में भी ऐसा ही हुआ था। इन घटनाओं में हुआ आर्थिक नुकसान करोड़ों में है, लेकिन इससे जनता और सरकार के बीच आई भरोसे की कमी कहीं ज्यादा बड़ी क्षति है। 3 मई 2026 की रात भागलपुर के पास विक्रमशिला सेतु का 33 मीटर लंबा स्लैब टूटकर गिर गया। 4.7 किलोमीटर लंबे पुल के दो हिस्सों में बंटने से दक्षिण और उत्तर बिहार का सड़क-लिंक टूट गया। जब तक सेना और बीआरओ ने मिलकर बैली ब्रिज नहीं बनाया, यात्रियों को 161 किलोमीटर लंबे वैकल्पिक मार्ग से जाना पड़ा और फिर नावों का सहारा लेना पड़ा। 2022 से 2024 के बीच अगुवानी से सुल्तानगंज के बीच बन रहा पुल भी तीन बार ढहा। मई 2025 में केरल में एनएच-66 के रामानाट्टुकरा-वलंचेरी स्ट्रेच पर प्रोजेक्ट पूरा होने वाला ही था कि एक रीइन्फोर्स्ड अर्थ वॉल ढह गई। अगस्त 2025 में हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बीच चक्की ब्रिज कॉरिडोर पर कुछ महीने पहले ही बनी 100 मीटर लंबी प्रोटेक्शन वॉल टूट गई। हाल ही में मध्य रेलवे (सीआर) के भोरघाट सेक्शन में ठाकुरवाड़ी और मंकी हिल के बीच हुए भूस्खलन ने भारी क्षति पहुंचाई। 50-60 मीटर रेलवे लाइन बह गई। 30 ट्रेनें रद्द हुईं। ये अलग-अलग जगहों पर दुर्भाग्यवश हुए मामले नहीं हैं। भू-तकनीकी जांच की कमी, ग्राउंड-इम्प्रूवमेंट उपायों की अनदेखी, ड्रेनेज के पर्याप्त इंतजाम नहीं करना, ऐसे इलाकों में रीइन्फोर्स्ड-सॉइल वॉल तकनीक का इस्तेमाल, जहां वह उपयुक्त ही नहीं थी- ये ऐसी खामियां हैं, जिन्हें इन घटनाओं का कारण माना जा सकता है। एक अन्य बड़ा कारण डिजाइनरों, कंपनियों, स्वतंत्र इंजीनियरों और एनएचएआई के फील्ड कर्मचारियों के बीच सुपरवाइजरी ढांचे का इतना बिखरा हुआ होना है कि कुछ गलत होता है तो किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की जा सकती। जिस दीवार, सड़क या पुल के हिस्से को ढहना ही नहीं चाहिए था, उसे दोबारा बनाने में खर्च हुआ हर रुपया वो है, जो नया इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने या मौजूदा ढांचों की मरम्मत में काम आ सकता था। इसमें बहुत-सी अप्रत्यक्ष लागत भी जुड़ जाती है। मसलन, डायवर्जन के फेर में माल ढुलाई में देरी होती है, घंटों के अतिरिक्त चक्कर में उत्पादकता घटती है और जिन कामों के लिए पुल बने थे, वे अब फिशिंग बोट से करने पड़ते हैं।चूंकि सरकारी टेंडर सबसे कम बोली लगाने वाले ठेकेदार को दिए जाते हैं, इसलिए गुणवत्ता प्रभावित होती है। जो ठेकेदार बहुत कम बोली लगाकर प्रोजेक्ट हासिल करते हैं, उनके पास मुनाफा निकालने का एक ही रास्ता बचता है- मटैरियल, जमीन की जांच और निर्माण कार्य में कटौती। डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट और ग्राउंड असेसमेंट हर प्रोजेक्ट की रीढ़ होते हैं। लेकिन अकसर इन्हें पिछली परियोजनाओं की रिपोर्ट से ही बना लिया जाता है। बस नई जगह की भौगोलिक स्थिति, वाटर टेबल या बाढ़ की हिस्ट्री के हिसाब से छोटे-मोटे बदलाव किए जाते हैं। स्वतंत्र इंजीनियरों का काम कंक्रीट डालने से पहले इन कमियों को पकड़ने का होता है। लेकिन अकसर उनके पास ऐसे अनुभव या अधिकार का अभाव होता है, जिसमें वे परियोजना को रोक सकें। रीइन्फोर्स्ड वॉल और पुलों की डिजाइन की जांच होनी चाहिए। यह महज सामान्य डीपीआर के अनुमानों पर नहीं, बल्कि पुष्ट मृदा परीक्षण और कम से कम एक दशक के मानसून और बाढ़ के आंकड़ों पर आधारित होनी चाहिए। अन्य तकनीकी सुधारों के अलावा सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हमें इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की गति पर गर्व करना और उसका महिमामंडन बंद करना चाहिए। हमें क्वांटिटी से अधिक क्वालिटी, दिखावे से अधिक टिकाऊपन और जल्दबाजी से अधिक प्रभावशीलता को महत्व देना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं,राघव चंद्रा)

96 साल के बफे बोले-कमाने से ज्यादा मजा बांटने में,पिता प्लंबर होते तो निवेशक न बनता, मेरी सफलता में टैलेंट से ज्यादा किस्मत

न्यूयॉर्क। दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ने अपनी सफलता का बड़ा श्रेय किस्मत को दिया है। करीब 147 अरब डॉलर (14.15 लाख करोड़ रुपए) नेटवर्थ वाले बफेट ने एक

इंटरव्यू में कहा कि उनकी कामयाबी में टैलेंट या मेहनत जितना ही रोल 'लक' का रहा। अगले महीने 96 साल के होने वाले वॉरेन बफेट ने कहा कि लंबी उम्र ने उन्हें दशकों तक संपत्ति बनाने का मौका दिया। यह भी किस्मत का ही खेल है। बफेट ने अपने शुरुआती जीवन, अवसरों, जन्म की परिस्थितियों व परोपकार पर चर्चा की। पढ़िए इस इंटरव्यू के खास अंश-ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक बफे दुनिया के 10वें सबसे अमीर हैं, 80फीसदी वक्त किताबें- रिपोर्ट्स पढ़ने में बिताते हैं। मैं अक्सर कहता हूं कि इस धरती पर मौजूद 8 अरब लोगों में मैं सबसे खुशनसीब 10 लोगों में शामिल हू?। लोग मेरी सफलता को मेहनत व काबिलियत से जोड़ते हैं, लेकिन मैं इसे जन्मजात मौका मानता हूं। अगर मेरे पिता प्लम्बर होते, तो शायद मैं यहां नहीं होता। मेरे पिता हॉवर्ड बफेट स्टॉकब्रोकर थे और उन्हीं की वजह से मुझे कम उम्र में निवेश से लगाव हो गया। 11 साल की उम्र में मैंने 'सिटीज सर्विस' के तीन शेयर खरीदे थे। यह असाधारण बुद्धिमत्ता नहीं थी, बल्कि सही माहौल और अवसर मिलने का सुखद संयोग था। अमेरिका में जन्म, श्वेत पुरुष होना और वित्तीय समझ वाले परिवार से होना विशेषाधिकार था। साथ ही इस 'जन्मजात मौके' ने मुझे वह आत्मविश्वास दिया जिससे मैं 32 साल की उम्र में पहला मिलियन डॉलर यानी 10 लाख डॉलर कमा सका और आगे चलकर बर्कशायर हैथवे को शीर्ष तक पहुंचा पाया। मैं मानता हूं कि कोई कहां पैदा हुआ, परिवार का बैकग्राउंड क्या है, मौके कितने मिले- ये बातें कई बार टैलेंट से ज्यादा असर डालती हैं। मैंने जितनी दौलत कमाई, उससे भी ज्यादा समय तक उसे बढ़ाने का मौका पाया। अब उम्र के असर से याददाश्त कमजोर पड़ रही है, लेकिन निवेश का आनंद आज भी बरकरार है। पिछले साल बर्कशायर के सीईओ का पद ग्रेग एबेल को सौंपने के बावजूद दिल आज भी काम में ही धड़कता है। पर असली मजा सिर्फ दौलत कमाने में नहीं, उसे बांटने में है। 'द गिविंग प्लेज' के तहत 99फीसदी संपत्ति दान करने के वादे के साथ मैंने गेट्स फाउंडेशन को 4.52 करोड़ रुपए दिए। पर अब मेरी राहें अलग हैं, क्योंकि इंसानों की पहचान में कोई 100फीसदी सही नहीं होता... गलतियां सभी से होती हैं। मुझसे भी हुईं। अब मेरी सोच स्पष्ट है। संपत्ति का बड़ा हिस्सा दिवंगत पत्नी के नाम पर बने सुसान थॉम्पसन बफेट फाउंडेशन और अपने बच्चों द्वारा संचालित फाउंडेशन्स को दे रहा हूं। उम्र लगातार बढ़ रही है और बच्चे भी उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां फैसले टालना ठीक नहीं। इसलिए मैंने परोपकारी योजना की रफ्तार बढ़ा दी है। मेरी इच्छा है कि 31 दिसंबर 2034 तक मेरी पूरी संपत्ति समाज हित में सही संस्थाओं तक पहुंच जाए। पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि मेरी सफलता में सही समय, सही मौके और किस्मत का बड़ा योगदान रहा है।- वॉरेन

क्रिकेट में अपनी बदहाली के लिए पाकिस्तान खुद जिम्मेदार

इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज के अधबीच में पाकिस्तान ने घबराकर ऐसा कदम उठा लिया कि पूछिए मत। उसने सात खिलाड़ियों को

वापस भेज दिया और कोचों को हटा दिया और मानो उन्हें सबक सिखाने की नजीर पेश करना चाहता हो। अब बाबर आजम ऑन-रिकॉर्ड कह रहे हैं कि उन्हें इन फैसलों की कोई जानकारी ही नहीं थी। तो आखिर पीसीबी इन खिलाड़ियों को घर भेजकर किस बात का उदाहरण सामने रखना चाहता था? बेइज्जती और दुर्व्यवहार का? और जो कुछ उन्होंने किया, उससे पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ियों को क्या संदेश जा रहा है? खिलाड़ियों और कोचों पर तो गाज गिर रही है, लेकिन अधिकारियों का क्या? उनके बारे में एक शब्द तक क्यों नहीं? वे जवाबदेह क्यों नहीं हैं? ऐसा कैसे हो सकता है कि कोई उनसे एक सवाल तक न करे और वे ऐसे काम करते रहें, जैसे कुछ हुआ ही नहीं? सच्चाई यह है कि खिलाड़ी आसान निशाना और मोहरे हैं। पीसीबी उनके साथ तिरस्कारपूर्ण व्यवहार करके बच निकल सकता है। और चूंकि वह सत्ता की स्थिति में है, इसलिए कोई उसे चुनौती देने की हिम्मत नहीं करेगा। पाकिस्तानी क्रिकेट और उसका खेल जगत वहां पर खेल प्रशासन की कमान संभाल रहे राजनीतिक वर्ग के अहंकार का शिकार हो गया है। ये सच है कि खिलाड़ियों ने भी सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन अगर आप ड्रेसिंग रूम में यह सुन रहे हों कि आपका बोर्ड मैच और सीरीज का बहिष्कार करने की धमकी दे रहा है, तो आप किस मानसिक स्थिति में खेल जारी रखेंगे? आप अपने काम पर कैसे फोकस कर पाएंगे? सलमान आगा का ही उदाहरण लीजिए। उन्हें पहले टेस्ट में आखिरी वक्त पर कप्तानी संभालने के लिए कहा गया और फिर दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर कर दिया गया। अब तीसरे टेस्ट से पहले उन्हें घर भेज दिया गया है। यह हास्यास्पद है। आप इंग्लैंड में एक टेस्ट मैच के आधार पर किसी खिलाड़ी का आकलन कैसे कर सकते हैं? वह भी तब, जब आखिरी क्षण में उसे कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई हो?पाकिस्तान में बहुत लंबे समय से चीजों को यूं ही चलते रहने दिया गया है। बहुत लंबे समय से खिलाड़ी और कमेंटेटर चुप रहे हैं। आखिरकार अब हम प्रभावशाली लोगों को आवाज उठाते देख रहे हैं। पूर्व खिलाड़ियों को बोलना ही होगा, क्योंकि अंत में नुकसान सिर्फ खेल का ही होता है। जिन खिलाड़ियों को वापस भेज दिया गया है, वे अपमानित होकर घर लौट रहे हैं और उनका भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है। और जो खिलाड़ी इंग्लैंड में खेल रहे हैं, उनके पास परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का समय नहीं है। ऐसे में तो टीम को मानसिक रूप से पूरी तरह टूट ही जाना है। और व्यापक तस्वीर यह है कि इन तमाम घटनाओं को पाकिस्तान के एक 'फेल्ड-स्टेट' होने से जोड़ा जा सकता है। खेल महज उसका एक और प्रतिबिम्ब है। हर जगह तस्वीर भयावह है। कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं है, जो उम्मीद की किरण बन सके। वहां हर चीज पर राजनीति हावी है। हर स्तर पर दखल और नियंत्रण ने पाकिस्तान के खेल का बेड़ा गर्क कर दिया है। क्रिकेट टीम महज इस बात का उदाहरण हैं कि इस तरह का हस्तक्षेप क्या कर सकता है। दोष खिलाड़ियों पर मढ़ा जा रहा है। लेकिन क्या गलती उन्हीं की है? क्या पाकिस्तान के पतन की सारी जिम्मेदारी उन्हीं पर डालकर बाकी चीजों पर परदा डाला जा सकता है? बड़ा सवाल यह भी कि आज पाकिस्तान में कितने लोग उन राजनेताओं पर उंगली उठाएंगे, जो खेल में लगातार दखल देते रहे हैं और जिन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट को इस हालत में पहुंचा दिया है? यह एक समूची व्यवस्था की विफलता है। ढांचे का पूरी तरह चरमरा जाना है। यह एक ऐसी निष्प्राण राज्य-व्यवस्था, जिसमें खेल का कोई महत्व ही नहीं रह गया है। लॉर्ड्स में पाकिस्तानी टीम के समर्पण और हॉकी में उसकी दुर्दशा का कारण भी यही है। फिलहाल एक मुल्क के रूप में तो पाकिस्तान की यही कहानी है और ऐसा संकेत देने वाली बहुत कम चीजें हैं कि इसमें जल्द कोई बदलाव आने वाला है। तब तक प्रशंसक और खिलाड़ी बड़े राजनीतिक अहंकारों की बलिवेदी पर लगातार कुर्बान किए जाते रहेंगे। पाकिस्तान में हर जगह तस्वीर भयावह है। तमाम चीजों पर सियासत हावी है। हर स्तर पर दखल और नियंत्रण ने पाकिस्तान के खेल का बेड़ा गर्क कर दिया है। क्रिकेट टीम महज इस बात का उदाहरण है कि खेल में इस तरह का राजनीतिक हस्तक्षेप क्या कर सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,बोरिया मजुमदार)

कोई हमें अन्नदाता कहे या जनता जनार्दन, पर चुनावों के हम मालिक नहीं हैं

उत्तर प्रदेश और पंजाब दो अहम राज्य हैं, जहां चुनाव होने वाले हैं। तमाम राजनीतिक पार्टियां इन चुनावों के लिए ही अपनी कमर कस रही हैं। नए-नए प्रभार गढ़े जा रहे हैं और नए-नए प्रभारी बनाए जा रहे हैं। हर तरह से, हर तरफ जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। अगर कोई बेफिक्र बैठा है, अगर कोई किसी तरह की तैयारी नहीं कर रहा है तो वो हैं हम। आम लोग! आम वोटर्स! क्योंकि हमें कोई कुछ भी कहे- अन्नदाता, जनता जनार्दन और भी बहुत कुछ- पर हकीकत यह है कि हर दो, ढाई या पांच साल में होने वाले चुनावों के हम मालिक नहीं हैं। हमने अपने मन को आजादी दी है तो सिर्फ इतनी, कि अपनी मर्जी से चुनाव कर लें अपने पिंजरे का। रहना हमें कैद में ही है। हर तरह के कैदखाने हैं देश में... और हर तरह की कैदें। बच्चे अपनी वजन बढ़ाऊ किताबों की बस्ताई शिक्षा में कैद हैं। बेटियां अपनी सुरक्षा के खतरे के कारण खुद में ही कैद रहने को मजबूर हैं। और महिलाओं, बुजुर्गों की कैदों का तो पारावार नहीं है। तथाकथित सभ्य समाज इन कैदों को घर, ऑफिस, मुहल्ला, खेत, खलिहान, सड़क, बाजार और जाने क्या-क्या कहता है। जब हर कोई कैद है, अलग-अलग कैदखानों में, फिर कैसी आजादी, कैसा लोकतंत्र, कैसा चुनाव? अगर ये पार्टियां, ये नेता, सच में चुनाव जीतना चाहते हैं तो हमें इन कैदखानों से मुक्ति दिला दें। फिर करें राज। चतुर्दिक। एकतरफा। फिर किसी भी नेता को वोट के लिए गिड़गिड़ाना नहीं पड़ेगा। लोग खुद ही चुन लेंगे अपने मुक्तिदाता को। लेकिन सच ये है कि अंग्रेजों के जाने के बाद ये जो मौजूदा कैदखाने हैं, इनमें से ज्यादातर का निर्माण राजनीति ने ही किया है। और चौंकने की कोई वजह हमारे पास नहीं है, क्योंकि हर कैदखाने के उद्घाटन के वक्त बड़े मजे से तालियां भी हमने ही बजाई हैं। सभ्य समाज कहा जाने वाला बड़ा कैदखाना जरूर हमने खुद बनाया है। दकियानूसी सोच की गलत परंपराओं की कई शाखाएं भी खोली हैं, जिनमें हमारा बचपन, जवानी और वृद्धावस्था कैद है। चुनाव के वक्त भी ये कैदें काम करती हैं।

'सत्य निकेतन' ने हमारे समाज का कौन-सा सच दिखाया है?

पहले यह माना जाता था कि एजुकेशन की मदद से ही छात्र अपनी बदहाली से छलांग लगाकर बाहर आ सकते हैं। आज भी ऐसा ही है, लेकिन

फर्क इतना है कि यह छलांग अब लगातार कठिन होती जा रही है। सत्य निकेतन हादसे ने हमें यही बताया है। यह दक्षिण दिल्ली की एक छोटी-सी बस्ती है, जो आलीशान कॉलोनियों से घिरी हुई है। यहां छोटे-छोटे भूखंडों पर बने तंग, एक-दूसरे में सिमटे मकान खरपतवार की तरह बढ़ते चले गए हैं। इनमें से कई इमारतों में छात्र छोटे-छोटे कमरे किराये पर लेकर रहते हैं। वे वहां कॉलेज की पढ़ाई या प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करते हुए रहते हैं। कॉलोनी में छात्र-अर्थव्यवस्था को सहारा देने वाले तरह-तरह के कारोबार भी हैं- खाना पहुंचाने वाली सेवाएं, जेरॉक्स की दुकानें, चाय की थड़ियां, पेइंग गेस्ट (पीजी) और कोचिंग सेंटर संचालक। इन वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता ही सत्य निकेतन जैसी बस्तियों को फलने-फूलने का अवसर देती है। यह किसी झुग्गी-बस्ती जैसी दिख सकता है, फर्क यह है कि यह शिक्षा-केंद्रित स्लम होती है। छात्र आते-जाते रहते हैं; कुछ प्रवेश परीक्षाओं में सफल होते हैं, ज्यादातर नाकाम रहते हैं। लेकिन इन छात्रों को सामान और सेवाएं उपलब्ध कराने वाले कारोबारी लगातार बने रहते हैं। परीक्षाओं के नतीजे चाहे जो हों, वे हमेशा कमाई करते हैं। मुनाफे की तलाश में गुणवत्ता की अनदेखी की जाती है और नियमों को तोड़ा-मरोड़ा जाता है। बिना फायर-सेफ्टी वाला अवैध रूप से बना गेस्टहाउस भी किराये पर उठ जाता है, क्योंकि छात्रों के पास विकल्प ही क्या हैं? 80 गज के प्लॉट पर अनुमति से ज्यादा मंजिलें तान दी जाती हैं, लेकिन कोई समस्या नहीं। अगर कमरा खाली है, तो कोई ना कोई छात्र उसे ले ही लेगा। इमारत के चारों ओर बिजली के खुले तार लटक रहे हैं? क्या फर्क पड़ता है, जब तक सोने के लिए एक बेड मिल रहा हो?बस इतना समझ लीजिए कि सत्य निकेतन की जिंदगी वैसी नहीं है, जैसी बॉलीवुड की कॉलेज कैंपस वाली फिल्मों में दिखाई जाती है। देशभर से जाने कितने युवा छात्र ऐसी जगहों पर आते हैं और खस्ताहाल, अवैध ठिकानों पर डेरा जमाते हैं। फिर शुरू होती है दो से पांच साल तक चलने वाली लंबी और कठिन यात्रा।यह कोई कॉलेज होस्टल नहीं है। यहां न कोई ओरिएंटेशन होता है, न बैच के साथियों से मुलाकात। यहां छात्रों के लिए न कोई कॉमन रूम है, न खेल की सुविधाएं। न सांस्कृतिक गतिविधियां हैं, न पाठ्येतर गतिविधियां। यहां केवल एक ही उद्देश्य है और एक ही गतिविधि- जीवन की चक्की में पिसते रहना।और वे पिसते रहते हैं- दिन-रात, इस उम्मीद में कि परीक्षा निकाल लेंगे। इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिले के लिए, या मेडिकल कॉलेज में। या सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए- शीर्ष स्तर की सिविल सेवाओं से लेकर निचले स्तर की किसी सरकारी भर्ती तक। कुछ भी आसान नहीं है। संभावनाएं बहुत कम हैं- पेपर-लीक हो या न हो। किसी को परवाह नहीं कि आपका दिन, महीना या साल खराब रहा। और जैसा कि हालिया हादसा दिखाता है, किसी को आपकी जिंदगी की भी परवाह नहीं है। इससे हमें शर्म महसूस होनी चाहिए। हमें पूछना चाहिए कि एक देश और समाज के रूप में हम क्या कर रहे हैं? हम अगली पीढ़ी को कैसी संस्कृति सौंप रहे हैं? क्या संदेश दे रहे हैं? क्या यही कि भारत में जिंदगी ऐसी ही होती है? हमारी शिक्षा व्यवस्था युवाओं से बहुत कम अवसरों के लिए बेहद तीखी प्रतिस्पर्धा करने को कहती है, जबकि हमारा समाज एक अच्छी जिंदगी तक पहुंचने के लिए पर्याप्त वैकल्पिक रास्ते बनाने में विफल रहा है। और अवसरों की इस कमी के इर्द-गिर्द एक पूरा संदिग्ध बिजनेस-इकोसिस्टम खड़ा हो गया है। जब खुद हताशा एक उद्योग बन जाए, तो इसे क्या कहा जाना चाहिए? सत्य निकेतन का अर्थ होता है- 'सच्चाई का घर'। लेकिन इस हादसे ने छात्रों के जीवन की दुःखद सच्चाई को उजागर कर दिया है। हम चाहें तो इसे एक अलग-थलग घटना मानकर छोड़ सकते हैं, या इसका इस्तेमाल एक बड़ी सच्चाई का सामना करने के लिए कर सकते हैं- यह कि हमें इन हालात में आमूलचूल बदलाव करने होंगे। हमारी शिक्षा व्यवस्था युवाओं से बहुत कम अवसरों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा करने को कहती है।हमारा समाज अच्छी जिंदगी तक पहुंचने के लिए पर्याप्त रास्ते बनाने में विफल रहा है। और अवसरों की इस कमी के इर्द-गिर्द एक पूरा संदिग्ध बिजनेस-इकोसिस्टम खड़ा हो गया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,चेतन भगत)

जहां नैतिक कहानियां होगीं, वहां 'इंटेग्रिटी फी?' की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की हिम्मत नहीं की। यह भांपकर कि हम छिपे हुए हैं,

नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया। अंकल ने भी हमारा अभिवादन स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक नदी किनारे पेड़ काट रहा था। उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर पानी में गिर गई। वह बहुत परेशान था, क्योंकि वही उसकी आजीविका का एकमात्र साधन था। उसकी निराशा भरी पुकार सुनकर एक देवी प्रकट हुईं और पूछा कि उसे क्या चाहिए। उसने कोई दौलत मांगने के बजाय बताया कि उसने अपनी कुल्हाड़ी खो दी है। उसकी ईमानदारी देखकर देवी ने मदद की पेशकश की। सबसे पहले उसे एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने पूछा, क्या यह तुम्हारी है? लकड़हारे ने कुल्हाड़ी की सुंदरता और कीमत के बावजूद जवाब दिया, नहीं। दूसरी बार उसे चांदी की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने वही सवाल पूछा। लकड़हारे ने अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए फिर से मना कर दिया। देवी बेहद प्रभावित हुईं और आखिरकार लकड़हारे को उसकी असली लोहे की कुल्हाड़ी वापस लौटा दी, जिसे लकड़हारे ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेकिन देवी ने उसे सोने और चांदी की दोनों कुल्हाड़ियां देकर भी पुरस्कृत किया। लकड़हारा न केवल धन-संपत्ति, बल्कि ईमानदारी के गुण से भी समृद्ध होकर घर लौटा। नाना ने उन जामुनों के बारे में हमसे कभी बात नहीं की। लेकिन वो कहानी आज भी हमारे जेहन में ताजा है।आज आप किसी भी बच्चे के पास जाकर कहें, 'मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं' और शुरू करें- 'एक था राजा और एक थी रानी' तो वो तुरंत कहेगा, 'दोनों मर गए, खतम कहानी', और भाग जाएगा। लेकिन हमारे जमाने में रोज ही कोई न कोई कहानी सुनाई जाती थी और उसकी शुरुआत हमेशा उसी पहले वाक्य से होती थी। लेकिन दूसरा वाक्य हमेशा ही 'पीछे की बदल गई पूरी कहानी' हुआ करता था।

भारत ने नेपाल के लिए 8वीं राहत खेप भेजी, 35 टन राहत सामग्री काठमांडू पहुंची, बाढ़ में अब तक 1367 शव बरामद

काठमांडू। नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद भारत ने 35 टन राहत और बचाव सामग्री की 8वीं खेप भेजी। भारतीय वायुसेना का विमान बुधवार को काठमांडू पहुंचा। इसके साथ भारत अब बढ़ाने के लिए मौके पर मौजूद एक्सकेवेटर के साथ बॉबकैट एक्सकेवेटर भी लगातार मलबा हटाने और खुदाई में लगाया गया है। नेपाल बाढ़ में एआई से शवों की पहचान की कोशिशः-नेपाल

तक 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री भेज चुका है। खेप में टेंट, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप, दवाएं और रेस्क्यू उपकरण शामिल हैं। भारत ने राहत अभियान 26 अगस्त को शुरू किया था। नेपाल पुलिस के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक 1367 शव बरामद हुए हैं। 102 शवों की पहचान हो चुकी है। पहचान के लिए डीएनए सैंपल जुटाए जा रहे हैं और भारत समेत कई देशों के फोरेंसिक विशेषज्ञ मदद कर रहे हैं। चिलिमे टनल में 105 मीटर तक पहुंची नेपाली-भारतीय सेना की टीमः-रसुवा जिले के चिलिमे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में नेपाली और भारतीय सेना की टीम मिलकर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। टीम अब तक सर्विस टनल के अंदर करीब 105 मीटर तक पहुंच गई है। प्रोजेक्ट तक जाने वाली सड़क से मलबा हटाने का काम भी चल रहा है। प्रभावित इलाके के दोनों तरफ आने-जाने के लिए रोप लाइन लगा दी गई है। बाढ़ आने के दिन ही नेपाली सेना की टीम मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने पहले इलाके का जायजा लिया और फिर टनल के मुहाने से मिट्टी और मलबा हटाकर अंदर गई। यहां से दो लोगों के शव बरामद किए गए।रेस्क्यू ऑपरेशन को तेजी से आगे में भोटेकोशी नदी की बाढ़ के बाद लापता लोगों और अज्ञात शवों की पहचान के लिए FaceTag एआई तकनीक की मदद ली जा रही है। यह तस्वीरों और वीडियो में चेहरों का मिलान कर लापता लोगों से संभावित मैच तलाशती है। FaceTagr हजारों रिकॉर्ड में से 5-10 संभावित मैच सामने लाता है। परिवार इन मैचों को देख सकते हैं, जबकि अंतिम पहचान नेपाल पुलिस या संबंधित सरकारी एजेंसियां करती हैं। FaceTagr से जुड़े समीर पंथी के मुताबिक, अब तक करीब 500 लापता लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। सिस्टम ने करीब 90 शवों की पहचान में मदद की है। हालांकि, यह नेपाल पुलिस के कुल आधिकारिक पहचान आंकड़े से अलग है। रेस्क्यू और फोरेंसिक मदद के लिए 54 विशेषज्ञ नेपाल भेजे-भारत ने राहत सामग्री के साथ 54 विशेषज्ञों को भी नेपाल भेजा है। इनमें टनल रेस्क्यू और फोरेंसिक विशेषज्ञ शामिल हैं।

विशेष रेस्क्यू टीम नेपाली सेना के साथ चिलिमे और लांगटांग में अभियान चला रही है, जबकि फोरेंसिक विशेषज्ञ काठमांडू की दो लैब में डीएनए जांच में मदद कर रहे हैं। भारत ने इसके लिए डीएनए किट, रिऐजेंट और प्रोफाइलिंग उपकरण भी उपलब्ध कराए हैं।

दिल्ली हॉस्टल हादसे में सुप्रीम कोर्ट बोला-हाईकोर्ट ही सुनवाई करे,हम मौजूदा स्थिति को बदलना नहीं चाहते

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी हादसे में आज सुनवाई की। कोर्ट ने मामले को हाईकोर्ट में रखने का फैसला लिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि हम मौजूदा स्थिति को बदलना नहीं चाहते हैं। इससे पहले कोर्ट ने 8 सितंबर को कहा था कि मामला केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि देशभर में जर्जर-अवैध इमारतों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।7 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इस मामले में सुनवाई की थी। हाईकोर्ट ने कहा था- हादसे के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं। सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एमसीडी और सरकार से जवाब मांगाः- 7 सितंबर को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने एमसीडी (एमसीडी), दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनएचआरसी और दिल्ली यूनिवर्सिटी से 10 दिन में जवाब मांगा था। इसके बाद बुधवार को सीएम ने एमसीडी को अवैध पीजी हॉस्टलों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। एमसीडी ने पीजी बिल्डिंग के पास की इमारतों को गिराना शुरू कर दिया है।

माल्या बोले- ब्रिटेन छोड़ने पर रोक, भारत कैसे लौटूं,सोचता हूं कॉकरोच बन जाऊं- 10 साल से लंदन में, बैंकों के करीब रु9,000 करोड़ के कर्जदार

लंदन। लंदन में रह रहे कारोबारी विजय माल्या ने बुधवार देर रात फिर भारत सरकार पर अन्याय करने का साल बाद भी मुझे ऐसा व्यक्ति बताया जा रहा है, जिसने बैंकों को धोखा दिया। मुझे गलत तरीके से भगोड़ा बताया गया है।' उन्होंने

आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में चल रही कानूनी प्रक्रिया के कारण वे भारत नहीं लौट पा रहे हैं। माल्या ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में माना है कि उनकी रु14,000 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति से बैंकों को वसूली हुई है। यह रकम उन बैंकों को लौटाई गई, जिनका पैसा किंगफिशर एयरलाइंस के कर्ज के रूप में बकाया था। विजय माल्या पर किंगफिशर एयरलाइंस के लिए एसबीआई समेत कई बैंकों से करीब रु9,000 करोड़ का कर्ज लेने और उसे नहीं चुकाने का आरोप है।

बैंकों का कर्ज नहीं चुकाने और सीबीआई-ईडी की जांच के बीच 2 मार्च 2016 यानी 10 साल 6 महीने पहले पहले वे माल्या भारत छोड़कर ब्रिटेन चले गए। बाद में उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया गया था।

माल्या का दावा- ईडी ने बैंकों को 14 हजार करोड़ लौटाए-माल्या ने बुधवार देर रात भी एक्स पर कई पोस्ट किए। इनमें उन्होंने हाल के कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों का जिक्र किया और कहा कि उनके साथ अब भी अन्याय हो रहा है। विजय ने एक पोस्ट में यह भी कहा, 'मेरे साथ हो रहे अन्याय को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच बनकर बेहतर जिंदगी जी सकूं। मैं भगोड़ा नहीं हूं। ब्रिटेन की कानूनी प्रक्रिया ने मुझे भारत लौटने से रोक रखा है।' माल्या ने ईडी की ओर से बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल बताए गए हलफनामे का एक हिस्सा साझा किया। उन्होंने दावा किया कि उसमें उनसे 14,131.60 करोड़ रुपए की वसूली का जिक्र है। उन्होंने लिखा, 'बॉम्बे हाईकोर्ट में ईडी की ओर से दाखिल हलफनामा। पैराग्राफ 7 में तय कर्ज है और पैराग्राफ 17 में 2021 में वसूल किए गए 14,131.60 करोड़ रुपए दिखाए गए हैं।' माल्या ने कहा, 'पांच वसूली का लेखा-जोखा दिखाने वाली एक टेबल भी शेयर की। उन्होंने लिखा, 'जो लोग निष्पक्ष और सही हिसाब-किताब पर भरोसा करते हैं, वे यह तालिका देखें। क्या मीडिया की ओर से मुझे इस तरह निशाना बनाया जाना और किसी पत्रकार की स्क्रिप्ट की शुरुआत में ही मुझे धोखेबाज कहना सही है? यह पूछना शुरू क्यों नहीं किया जाता कि मुझे मेरा रिफंड कब मिलेगा।' मार्च 2016 में देश छोड़कर गए थे, 2019 में भगोड़ा घोषित-माल्या मार्च 2016 में यूके चले गए थे। इसके बाद साल 2019 में अधिकारियों ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया था।इस कानून के तहत प्राधिकारियों को संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार मिला है। भारत सरकार लगातार यूके से उनके प्रत्यर्पण की कोशिश कर रही है।

क्या है भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम-भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम कानून उन आर्थिक अपराधियों पर नकेल कसने के लिए बनाया गया है जो भारतीय अदालतों की कार्रवाई और गिरफ्तारी से बचने के लिए देश छोड़कर भाग जाते हैं।

इस कानून के तहत अदालतों को मामले की सुनवाई पूरी होने से पहले ही आरोपी की देश और विदेश में मौजूद संपत्तियों को अटैच यानी जब्त करने और उन्हें नीलाम/बेचकर बैंकों का बकाया वसूलने का अधिकार मिलता है।बॉम्बे हाईकोर्ट ने फरवरी में दी थी अंतिम मोहलत-इस साल फरवरी में बॉम्बे हाईकोर्ट ने विजय माल्या को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि जानबूझकर अदालती कार्यवाही से बचने वाला व्यक्ति न्यायसंगत राहत की मांग नहीं कर सकता।

कोर्ट ने माल्या से कहा था कि यह आखिरी मौका है, वे बताएं कि भारत लौटना चाहते हैं या नहीं। माल्या ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी कानून और उन्हें भगोड़ा घोषित किए जाने को चुनौती दी है।

अमृता फडणवीस बोलीं- मुझे ट्रोलिंग वाइफ बना रहे,गरबा में मुस्लिम एंट्री की बात दोहराई, 2023 में मुस्लिम के साथ रील बनाने पर ट्रोल हुईं

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने गरबा में मुस्लिमों की एंट्री के समर्थन में फिर से अपनी बात दोहराई। उन्होंने कहा- मुझे इस मुद्दे पर पॉलिटिकल वाइफ बनाकर ट्रोल किया जा रहा है, जबकि मैं पॉलिटिकल नहीं हूं। मैं एक सोशल एक्टिविस्ट और नागरिक के तौर पर अपनी राय रखती हूं। अमृता ने बुधवार रात नागपुर में एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से कहा- नवरात्रि और गरबा जैसे त्योहार सभी को साथ लेकर चलने वाले हैं और इनमें जाति-धर्म का भेद नहीं होना चाहिए। पहचान पत्र जांचना बहुत अच्छी प्रैक्टिस है, लेकिन धर्म के आधार पर लोगों की जांच सही नहीं है। इससे पहले अमृता ने मंगलवार को कहा था कि अगर मुस्लिम गरबा देखने आते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। अमृता पहले भी अपने बयानों या विचारों को पति की राजनीति से अलग बताती रही हैं। अमृता फडणवीस-पत्नी, महाराष्ट्र सीएम फडणवीसः- 'गरबा और नवरात्रि भारत के सुंदर और दुनियाभर में प्रसिद्ध त्योहार हैं। अगर कोई अपनी आस्था और श्रद्धा से इनमें शामिल होना चाहता है या अपने परिवार को लेकर आना चाहता है तो जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।' लव जिहाद पर बोलीं- सख्त कानून बनाए जा रहे-गरबा आयोजनों में 'लव जिहाद' के मामले सामने आने के दावों पर अमृता ने कहा कि अगर ऐसा कोई मुद्दा है तो इस पर विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सख्त कानून बनाए जा रहे हैं और इससे भी कड़े कानून बनने चाहिए। अमृता मुस्लिम कंटेंट क्रिएटर के साथ रील बनाने पर भी ट्रोल हुई थीं अमृता फडणवीस ने जनवरी 2023 में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रियाज अली के साथ रील शेयर की थी। इसमें वे अपने पंजाबी गाने 'तेरे नाल ही नचणा

वे' गाने पर डांस करती नजर आईं। इस पर कुछ यूजर्स ने रियाज के साथ उनके वीडियो बनाने पर सवाल उठाए थे, साथ ही सरकारी आवास में वीडियो शूट करने पर भी आपत्ति जताई थी। गाना रिलीज होने के बाद अमृता ने बताया था कि उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की आदत हो चुकी है। उन्होंने कहा था कि वह भजन गाने पर भी ट्रोल होती हैं और ट्रोलिंग उन्हें आगे बेहतर काम करने की प्रेरणा देती है। जरांगे को भाई बताया, घर पर खाने का न्योता दियाः-मनोज जरांगे पाटील के बारे में पूछे जाने पर अमृता ने कहा-जरांगे पाटील जी मेरे भाई हैं और मैं उन्हें अपने घर पर खाना खाने के लिए बुलाती हूं। जरांगे पिछले 13 दिनों से जालना के अंतरवाली सराटी गांव में मराठा समुदाय को ओबीसी के तहत आरक्षण देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे हैं। वह हैदराबाद और सातारा गजट के रिकॉर्ड लागू करने और पात्र मराठा लोगों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने की मांग भी कर रहे हैं। जरांगे के आंदोलन पर सीएम फडणवीस बोले- सरकार बातचीत करेगी- जरांगे के आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा था कि सरकार संविधान के दायरे में जो भी संभव होगा, वह करेगी। उन्होंने कहा था कि बातचीत के दरवाजे कभी बंद नहीं किए गए हैं और सरकार इसी रास्ते से समाधान निकालने की कोशिश कर रही है। फडणवीस ने यह भी साफ किया था कि एक समुदाय के हिस्से का आरक्षण लेकर दूसरे समुदाय को नहीं दिया जाएगा। वीएचपी ने गरबा में मुस्लिमों की एंट्री रोकने की मांग कीः- गरबा में मुस्लिमों की एंट्री को लेकर अमृता का बयान ऐसे समय आया है, जब विश्व हिंदू परिषद ने महाराष्ट्र में नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया आयोजनों में मुस्लिमों को प्रवेश नहीं देने की मांग की है। वीएचपी ने कहा है कि नवरात्रि देवी की पूजा का त्योहार है और इसे केवल मनोरंजन या नृत्य कार्यक्रम के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। देशभर में इस साल नवरात्रि 11 अक्टूबर से शुरू होगी। नितेश राणे ने वीएचपी की मांग का समर्थन किया-राज्य मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने वीएचपी के रुख का समर्थन किया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ मुस्लिम युवक हिंदू नाम बताकर गरबा आयोजनों में प्रवेश करते हैं और हिंदू लड़कियों से संपर्क कर उन्हें अपने जाल में फंसाते हैं। राणे ने इसे 'लव जिहाद' का खतरा बताते हुए मुस्लिमों की एंट्री रोकने की मांग की थी। उन्होंने गरबा मैदानों में प्रवेश से पहले पहचान जांचने और हनुमान चालीसा का पाठ कराने की बात भी कही थी। विपक्ष ने कहा- अमृता सीएम को समझाएं- शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउतः अमृता फडणवीस के बयान का समर्थन किया। उन्होंने अमृता से कहा कि वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके मंत्रिमंडल के उन नेताओं को भी समझाएं, जो इस तरह के बयान दे रहे हैं। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवारः कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने अमृता के बयान का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सभी को साथ लेकर चलने की उनकी सोच सही है। उन्होंने सवाल किया कि अगर अमृता की राय यही है तो क्या वह मुख्यमंत्री से नितेश राणे को मंत्री पद से हटाने की मांग करेंगी।

मुंबई-गोवा हाईवे में देरी पर गडकरी बोले- शर्म आती है, 94फीसदी काम ही पूरा, उदघाटन में नहीं जाऊंगा, सरकार ने 3 साल में 103 ठेकेदार ब्लैकलिस्ट किए

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन

गडकरी ने कहा, 'मुझे मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण में हो रही देरी को लेकर शर्मिंदगी महसूस होती है। ये काम 2016 तक पूरा होना था, लेकिन 15 साल में सिर्फ 94फीसदी ही पूरा हुआ है।' गडकरी ने यह बात बुधवार को पणजी में छह लेन वाले एलिवेटेड रोड कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में कही। उन्होंने कहा, 'हाईवे का काम पूरा होने के बाद मैं इसके उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल नहीं होऊंगा। मैं ऐसे ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने का रिकॉर्ड बनाना चाहता हूं।' गडकरी ने इस साल 22 जुलाई को राज्यसभा में बताया था कि पिछले 3 साल में नेशनल हाईवे निर्माण में खराब गुणवत्ता वाले काम के लिए 103 ठेकेदार और कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया गया और उन पर जुर्माना लगाया गया। मुंबई-गोवा हाईवेः 15 साल से काम चल रहा, कई जगह गड्ढे- मुंबई-गोवा हाईवे का चौड़ीकरण का काम 2011 में शुरू हुआ था। इसके बाद भी यह अब तक पूरा नहीं हुआ है। 440 किलोमीटर लंबे इस हिस्से में काम पूरा होने के बावजूद कई जगह सड़क पर गड्ढे, पानी भरने, मरम्मत और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।हाईवे पर मई में खारपाड़ा टोल प्लाजा पर टोल लेना शुरू किया गया था। इसके बावजूद परियोजना के कुछ हिस्सों में काम और सुधार जारी है। हाईवे पर बंदरों के लिए 2021 में बनाया गया एक ओवरपास भी ढह चुका है, जिससे सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हैं। हाईवे का काम 2016 तक पूरा होना था- मुंबई-गोवा हाईवे का काम पहले 2016 तक पूरा किया जाना था। जमीन अधिग्रहण, निर्माण से पहले की मंजूरियों और ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं के कारण काम में लगातार देरी हुई।2024 में केंद्र सरकार ने भी संसद में बताया था कि जमीन अधिग्रहण और कुछ ठेकेदारों की आर्थिक दिक्कतों के कारण परियोजना में देरी हुई। यह हाईवे मुंबई को कोंकण के रास्ते गोवा से जोड़ता है। इसका महाराष्ट्र वाला हिस्सा करीब 460 किलोमीटर है। परियोजना का यह मार्ग पर्यटन और स्थानीय कारोबार के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

म.प्र शराबकांड-3 आरोपियों के 5 मकान गिराए, अब तक 28 की मौत, प्रशासन ने 15 मानीं

सागर। सागर के बंडा में जहरीली शराब से मौतों के मामले में गुरुवार को बड़ा एक्शन हुआ। पुलिस और प्रशासन की टीम वार्ड नंबर 11 और 12 में पहुंची। यहां मुख्य आरोपी और करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष चंद्रभान सिंह

राजपूत उर्फ चंदू और आशीष साहू के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया। कार्रवाई 3 जेसीबी की मदद से की गई। इस दौरान पुलिस फोर्स तैनात रहा। इसके अलावा मनीष लोधी के 3 मकानों के अवैध हिस्से भी गिरा दिए गए। बता दें कि सागर में जहरीली शराब से मौतों का आंकड़ा 28 पर पहुंच गया है, लेकिन प्रशासन 15 मौतों की ही पुष्टि कर रहा है। सागर शराबकांड के आरोपी आशीष साहू के मकान को प्रशासन ने पूरी तरह तोड़ दिया है। कार्रवाई के दौरान मकान को जेसीबी की मदद से ढहाया गया। प्रशासन की कार्रवाई के बाद मौके पर मलबा ही बचा है। खड़गे बोले- सागर शराबकांड में 31 की मौत, 11 जिंदगी-मौत से जूझ रहेः- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सागर जहरीली शराब मामले को लेकर मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा लांघ चुकी है। उदासीनता और लापरवाही का आलम यह है कि अब लोगों की जान की भी कोई कीमत नहीं बची। उन्होंने दावा किया कि सागर जिले में जहरीली शराब से 31 लोगों की जान जा चुकी है और 11 लोग अब भी जिंदगी और मौत से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना से 31 परिवार उजड़ गए। किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता उनसे छिन गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जहरीली शराब का कारोबार लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहा है। उन्होंने सरकार से इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। एसडीएम संजय जैन ने बताया- मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत शराब माफिया के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर मकान, भवन, गोदाम या अन्य निर्माण करने वालों और कृषि भूमि पर अनधिकृत कब्जा करने वालों को टारगेट किया जा रहा है।

ओपनएआई का 90 साल पुरानी गणित पहेली सुलझाने का दावा,यह दुनिया के 7 सबसे मुश्किल सवालों में एक, 88 घंटे में जवाब ढूंढा

न्यूयोर्क। ओपनएआई ने दावा किया है कि उसकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक ने गणित की दुनिया के सबसे मुश्किल सवालों में से एक को सॉल्व कर दिया है। एआई को इसे सुलझाने में सिर्फ 88 घंटे लगे। 90 साल पुराने इस सवाल को नेवियर-स्टोक्स प्रॉब्लम कहा जाता है। प्रतिष्ठित मैथ्स इंस्टीट्यूट क्ले मैथमेटिक्स ने साल 2000 में 7 मुश्किल सवाल चुने थे, इनमें यह भी शामिल था। इन 7 सवालों को 'मिलेनियम प्रॉब्लम्स' कहा गया। इनमें किसी एक को भी हल करने पर 10 लाख डॉलर का इनाम रखा गया था। ओपनएआई के इस दावे से पहले इन सात में से सिर्फ एक सवाल हल हुआ था। यानी ओपन एआई का कंपनी का दावा सही है तो अब तक दो सवालों के जवाब ढूंढ़ निकाले गए हैं। पहले समझिए, नेवियर-स्टोक्स प्रॉब्लम क्या है- मान लीजिए आपने एक गिलास पानी फर्श पर गिरा दिया। पानी इधर-उधर फैलने लगेगा। वैज्ञानिक गणित की मदद से यह अनुमान लगाने की कोशिश करते हैं कि पानी किस दिशा में जाएगा, कितनी तेजी से जाएगा और उसका बहाव कैसा होगा। इसके लिए कुछ गणितीय समीकरण हैं, जिन्हें नेवियर-स्टोक्स इक्वेशन कहा जाता है।अब वैज्ञानिकों की समस्या यह थीः-क्या ये समीकरण हर हालत में पानी के बहाव का सही हिसाब बता सकते हैं? क्या कोई ऐसी मुश्किल स्थिति आ सकती है, जहां गणित का यह हिसाब ही काम करना बंद कर दे? ओपनएआई का दावा क्या है? ओपनएआई ने एक नए एआई मॉडल से इस सवाल का हल निकाला। यह मॉडल अभी आम लोगों के लिए जारी नहीं किया गया है, न ही नाम का खुलासा किया है। ओपनएआई ने अपने नए मॉडल को जीपीटी-6 अस्ट्रा से भी ज्यादा सक्षम इंटरनल मॉडल बताया है। जीपीटी-6 अस्ट्रा 3 सितंबर 2026 को रिलीज हुआ है। एआई ने यह काम अकेले एक सिस्टम की तरह नहीं किया। ओपनएआई ने करीब 10,000 एआई एजेंट्स को इस काम में लगाया था। इस दौरान एआई एजेंट्स ने करीब 30 लाख मैसेज का आदान-प्रदान किया। 4 में 2 बातें साबित यानी पूरी समस्या हल नहीं'- ओपनएआई के मुताबिक, एआई ने इस सवाल से जुड़ी चार में से दो अहम बातों को साबित किया यानी पूरी समस्या हल नहीं हुई है। ओपनएआई सवाल हल करने के बाद 10 लाख डॉलर के प्राइज का दावा नहीं करेगी। ओपनएआई पर रिसर्च चुराने का आरोप-एक विवाद भी सामने आया है। गणितज्ञ ट्रिस्टन बकमास्टर और लेवेंट अल्पोगे भी इसी समस्या पर काम कर रहे थे। रिसर्च के दौरान उन्होंने ओपनएआई के कोडेक्स जैसे एआई टूल्स की भी मदद ली। उन्हें अगस्त में अपनी रिसर्च में कुछ नए नतीजे मिले थे, लेकिन तब

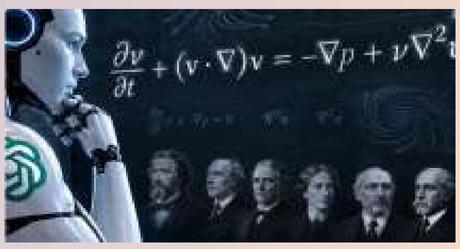

उन्होंने इसे सार्वजनिक नहीं किया था। बकमास्टर को 3 सितंबर को पता चला कि उनकी रिसर्च से जुड़ी जानकारी ओपनएआई तक पहुंच गई है। यहीं से बकमास्टर को शक हुआ। ओपनएआई का कहना है कि उसने इन दोनों गणितज्ञों का काम तब तक नहीं देखा था, जब तक वह सार्वजनिक नहीं हुआ। 7 मिलेनियम प्रॉब्लम्सः-1. रिमान हाइपोथिसिस-किस बारे में: प्राइम नंबर्स (अभाज्य संख्याएं) यानी 2, 3, 5, 7 जैसी संख्याएं। सवालः ये संख्याएं देखने में बेतरतीब लगती हैं, लेकिन क्या इनके पीछे कोई छिपा हुआ नियम या पैटर्न है, जिससे पता चल सके कि अगला प्राइम नंबर्स कहां मिलेगा? अनसुलझीः 1859 से 2. पी बनाम एनपी किस बारे में: कंप्यूटर के लिए मुश्किल सवाल। सवालः क्या कंप्यूटर हर ऐसे मुश्किल सवाल का जवाब जल्दी ढूंढ सकता है, जिसका सही जवाब मिलने के बाद उसे जल्दी जांचा जा सकता है? उदाहरणः जैसे किसी बहुत बड़ी पहेली का सही जवाब मिल जाए तो उसे चेक करना आसान है। लेकिन सही जवाब खुद ढूंढना बहुत मुश्किल हो सकता है। पी बनाम एनपी यही पूछता है कि क्या कंप्यूटर के लिए ऐसे जवाब ढूंढना भी उतना ही आसान हो सकता है। अनसुलझीः 1971 सेः- 3. नेवियर स्टोक्स प्रोब्लम- किस बारे मेंः पानी और हवा के बहने के बारे में। सवालः पानी या हवा कैसे बहती है, इसे बताने वाली गणित-सुलझीः 2026 में (सुलझाने का दावा) 4. यांग-मिल्स और मास गैप- किस बारे मेंः बहुत छोटे कणों और उनकी ऊर्जा के बारे में। सवालः क्या सबसे कम ऊर्जा वाले कण और उससे ज्यादा ऊर्जा वाले कण के बीच एक निश्चित न्यूनतम अंतर होता है? अनसुलझीः 2000 से 5. हॉज कन्जेक्चर किस बारे मेंः बहुत मुश्किल आकृतियों के बारे में। सवालः क्या इन मुश्किल आकृतियों को आसान गणितीय समीकरणों की मदद से समझाया जा सकता है? अनसुलझीः 1950 से- 6. बर्च एंड स्विनर्टन-डायर कन्जेक्चर- किस बारे मेंः खास तरह के गणितीय समीकरणों के बारे में। सवालः क्या समीकरण को देखकर यह पता लगाया जा सकता है कि उसके कितने संभावित जवाब हो सकते हैं? अनसुलझीः 1965 से- 7. प्वांकारे कन्जेक्चर- किस बारे मेंः 3डी आकृतियों के बारे में। सवालः अगर कोई 3डी आकृति गोल है और उसमें कोई छेद नहीं है तो क्या वह असल में 3डी गोले जैसी ही होगी? सुलझीः 2002-03 में- यह करीब 100 साल पुरानी गणितीय पहेली थी, जिसे फ्रांसीसी गणितज्ञ हेनरी प्वांकारे ने 1904 में सामने रखा था। रूसी गणितज्ञ पेरेलमैन के इसका हल निकाला। उन्हें इसके लिए 10 लाख डॉलर का इनाम देने की घोषणा की गई। हालांकि, पेरेलमैन ने यह इनामी राशि स्वीकार नहीं की। एआई इतना मुश्किल गणित कैसे कर पा रहा है? एआई को हजारों गणित के सवाल हल करने के लिए दिए जाते हैं। वह अलग-अलग तरीके आजमाता है और सही-गलत से सीखता है। इस तरह रिइनफोर्समेंट लर्निंग की मदद से एआई धीरे-धीरे ऐसे तरीके सीखता है, जिनसे मुश्किल सवाल हल करने की संभावना बढ़ जाती है। यह पहली बार नहीं है जब एआई ने बड़ी गणितीय समस्या हल करने का दावा किया है। जनवरी में ओपनएआई ने हंगरी के मशहूर गणितज्ञ पॉल इरदोस की एक गणितीय समस्या हल करने की जानकारी दी थी। गणितज्ञों को एआई से चिंता क्यों है? एआई की क्षमता से कई गणितज्ञ खुश हैं, लेकिन कुछ को चिंता भी है। टेरेंस ताओ का कहना है कि किसी मुश्किल गणितीय सवाल को खुद हल करना जरूरी है। इससे गणितज्ञ नई चीजें सीखते हैं और उनकी समझ बढ़ती है। उन्होंने इसे जिम का उदाहरण देकर समझाया। अगर मशीन आपके लिए 100 किलो वजन उठा दे तो वजन तो उठ जाएगा, लेकिन आपकी ताकत नहीं बढ़ेगी। इसी तरह अगर एआई मुश्किल गणितीय सवाल खुद हल करने लगे और इंसानों को सिर्फ जवाब मिले तो हो सकता है कि इंसान गणित को समझने और खुद समस्या हल करने की क्षमता खोने लगें।फिर एआई का फायदा क्या है? एआई का सबसे बड़ा फायदा इसकी रफ्तार है। एक इंसान किसी गणितीय समस्या के हजारों संभावित रास्ते आजमाने में बहुत लंबा समय लगा सकता है। एआई बहुत कम समय में बड़ी संख्या में संभावनाएं जांच सकती है। इससे गणितज्ञों को ऐसे रास्ते मिल सकते हैं, जिनके बारे में उन्होंने पहले नहीं सोचा था। लेकिन यहां दूसरी चिंता भी है। अगर एआई खुद रास्ता खोज लेती है और इंसान सिर्फ उस रास्ते पर चलकर जवाब तक पहुंचते हैं, तो हो सकता है कि इंसान उस खोज की पूरी प्रक्रिया को समझ ही न पाएं। ताओ ने इसे जंगल में छिपे झरने के उदाहरण से समझाया। अगर कोई खुद जंगल में रास्ता खोजकर झरने तक पहुंचता है, तो रास्ता खोजने की पूरी प्रक्रिया में उसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। लेकिन अगर कोई मशीन पहले ही रास्ता खोजकर बता दे, तो बाकी लोग सीधे उसी रास्ते से झरने तक पहुंच सकते हैं।

आईफोन 18 के लॉन्च इवेंट में पहुंची तृप्ति डिमरी, एपी ढिल्लों भी नजर आए- एपल के सीईओ जॉन टर्नस से मुलाकात की

क्यूपर्टिनो। एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी और सिंगर एपी ढिल्लों बुधवार को अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित क्यूपर्टिनो पहुंचे। दोनों ने यहां आयोजित एपल के आईफोन 18 लॉन्च इवेंट में हिस्सा लिया। इस खास कार्यक्रम में तृप्ति और एपी ढिल्लों को नए आईफोन 18 प्रो मॉडल देखने का मौका मिला। इस दौरान एप्पल के सीईओ जॉन टर्नस ने दोनों से मुलाकात की। उन्होंने सेलेब्स को नए आईफोन के फीचर्स भी दिखाए। इवेंट में तृप्ति डिमरी रेड कोट और डेनिम में नजर आईं। वहीं एपी ढिल्लों ग्रे जैकेट में दिखाई दिए। तृप्ति डिमरी लाइव स्ट्रीमर आईशोस्पीड की लाइवस्ट्रीम में भी कुछ देर नजर आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में जॉन टर्नस को दोनों भारतीय कलाकारों से बातचीत करते देखा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने नए आईफोन के बारे में भी जानकारी दी। एपल ने बुधवार रात लॉन्च इवेंट 'सरप्राइज एंड शाइन' में अपने पहले फोल्डेबल फोन आईफोन डुओ के साथ 6 डिवाइस लॉन्च किए। आईफोन डुओ में 5.4-इंच का कवर डिस्प्ले और अंदर 7.6-इंच की मेन स्क्रीन है, जो अब तक के किसी भी आईफोन का सबसे बड़ा डिस्प्ले है। आईफोन डुओ में पहली बार डुअल-बैटरी सिस्टम दिया गया है। इसमें फिजिकल सिम कार्ड नहीं लगेगा, यानी यह केवल ई-सिम पर चलेगा। डुओ एपल का अब तक का सबसे महंगा आईफोन है। इसकी शुरुआती कीमत करीब 3 लाख रुपए है, जबकि टॉप मॉडल की कीमत 4.50 लाख रुपए तक जाती है। भारत में इसकी बुकिंग 16 अक्टूबर से और बिक्री 23 अक्टूबर से शुरू होगी। साथ ही एपल ने इस बार आईफोन 18 सीरीज में सिर्फ प्रीमियम मॉडल 18 प्रो और 18 प्रो मैक्स लॉन्च किए हैं। इनमें सबसे खास मेन कैमरा है, जिसमें प्रोफेशनल डीएसएलआर कैमरे वाली टेक्नॉलॉजी दी गई है। आईफोन 18 प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 लाख रुपए और आईफोन 18 प्रो मैक्स की 1,79,900 रुपए है। इनकी बुकिंग 12 सितंबर से और बिक्री 18 सितंबर से शुरू होगी। इनके अलावा, इवेंट में एयरपॉड्स 5, एपल वॉच सीरीज 12 और वॉच अल्ट्रा 4 भी आए हैं।

मैं 'हां' बोलूं तो पति 'ना' बोलते हैं,बच्चा इस बात का फायदा उठाता है, क्या पेरेंटिंग में मतभेद बच्चे के लिए बुरा है

जयपुर। घर को सही रूप में आगे बढ़ाने में पति पत्नी दोनों का योगदान होता हैं दोनों गाड़ी के दो पहिये हैं जिनमे तालमेल होना चाहिए इसी विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 36 साल की एक वर्किंग महिला हूं। हमारा 9 साल का बेटा है। समस्या यह है कि मैं और मेरे पति उसकी परवरिश को लेकर बिल्कुल अलग सोच रखते हैं। मैं चाहती हूं कि वह अपनी गलतियों से सीखे, इसलिए उसे समझाकर बात करती हूं। वहीं मेरे पति मानते हैं कि बच्चों को टफ बनाना चाहिए, अनुशासन सिखाना चाहिए। कई बार मैं किसी बात के लिए उसे 'हां' बोल देती हूं, लेकिन पति उसी बात के लिए मना कर देते हैं। बेटा अब समझ गया है कि किस चीज के लिए किसके पास जाना है। अगर मैं मना करती हूं तो वह पापा से पूछ लेता है। मुझे लगता है कि वह इस स्थिति का फायदा उठाने लगा है। क्या माता-पिता की अलग-अलग पेरेंटिंग स्टाइल बच्चे के व्यवहार और व्यक्तित्व पर असर डाल सकती है? हमें क्या करना चाहिए? जवाब- हर माता-पिता अपने बच्चे के लिए अच्छा ही चाहते हैं, लेकिन 'अच्छा' क्या है, इसकी परिभाषा हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है। कोई अनुशासन को प्राथमिकता देता है, तो कोई कम्युनिकेशन और आजादी को। इसलिए पेरेंटिंग को लेकर पति-पत्नी के बीच मतभेद होना कोई नई अजूबा बात नहीं है। लेकिन जब ये मतभेद रोजमर्रा के फैसलों में दिखाई देने लगे और बच्चा यह समझ जाए कि 'मम्मी से नहीं तो पापा से 'हां' मिल जाएगी,' तब यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है। बच्चे के लिए घर के नियम और बड़ों का व्यवहार हमेशा एक जैसा होना चाहिए। जब माता-पिता अलग-अलग बातें बोलते हैं तो बच्चा कनफ्यूज होता है। इसलिए जरूरी है कि घर के नियमों और पेरेंटिंग के फैसलों पर पेरेंट्स एकमत हों। पेरेंटिंग में मतभेद का बच्चे पर असर- 9 साल की उम्र तक बच्चे में यह समझ विकसित हो जाती है कि किस व्यक्ति से क्या रिस्पॉन्स मिलेगा। वह यह भी सीख जाता है कि किससे कौन-सी बात मनवाई जा सकती है। इसे कई बार लोग 'चालाकी' समझते हैं, जबकि चाइल्ड साइकोलॉजी के अनुसार यह अक्सर बच्चे का सीखा हुआ व्यवहार (लर्न्ड बिहेवियर) होता है। बच्चा वही तरीका अपनाता है, जिससे उसकी बात बनने की संभावना सबसे ज्यादा हो। ऐसे में अगर पेरेंटिंग को लेकर माता-पिता के विचार एक न हों और ये बात बच्चे को समझ में आ जाए तो इसके ये मनोवैज्ञानिक प्रभाव हो सकते हैं-पेरेंटिंग में मतभेद का बच्चे पर असरः- बच्चे का कनफ्यूज होना। पेरेंट्स के बीच तनाव होना। इनसिक्योरिटी पैदा होना। उसका जिम्मेदार न होना। स्वभाव से जिद्दी हो जाना। हमेशा अपनी बात मनवाना। बड़ों की रिस्पेक्ट न करना। क्या अलग सोच होना गलत है? बिल्कुल नहीं। हर बात पर माता-पिता की राय एक होना जरूरी नहीं है। समस्या तब होती है, जब बच्चे के सामने एक ही स्थिति पर अलग-अलग नियम या प्रतिक्रियाएं दी जाती हैं। इसे इन दो उदाहरणों से समझिए- 1. बच्चा मोबाइल चलाना चाहता है। आपसे परमिशन मांग रहा है। मां कहती हैं, 'आज आधा घंटा मोबाइल चला सकते हो।' पिता कहते हैं, 'नहीं, बिल्कुल नहीं चला सकते।' 2. बच्चा पॉकेट मनी मांग रहा है। मां कहती हैं, 'पहले ये बताओ कि पैसे किसलिए चाहिए। तुम्हारी सारी जरूरतें तो हम पूरी कर रहे हैं।' पापा तुरंत पर्स में से निकालकर 100 रुपए पकड़ा देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चा यह नहीं सीख पाता कि घर का नियम क्या है। चाइल्ड साइकोलॉजी के अनुसार, बच्चे नियमों की सख्ती से ज्यादा उनकी कंसिस्टेंसी यानी एकरूपता को समझते हैं। जब हर बार एक जैसे नियम लागू होते हैं, तो बच्चों में सही-गलत की साफ समझ विकसित होती है। बच्चा 'पेरेंट शॉपिंग' क्यों करता है? कई बार बच्चा सिर्फ यह सीख रहा होता है कि उसकी जरूरत या मांग किस रास्ते से पूरी हो सकती है। इसलिए अगर एक व्यक्ति उसे मना करता है, तो वह स्वाभाविक रूप से दूसरे से पूछ सकता है। चाइल्ड साइकोलॉजी में इसे 'पेरेंट शॉपिंग' कहते हैं। यह व्यवहार तब ज्यादा देखने को मिलता है, जब- नियम पहले से तय न हों। माता-पिता अलग-अलग फैसले लेते हों। बच्चा दोनों की अलग-अलग राय देखता हो। माता-पिता बच्चे के सामने एक-दूसरे के फैसले बदल देते हों। यह जरूरी नहीं कि बच्चा गलत इरादे से ऐसा कर रहा हो। अक्सर यह इस बात का संकेत होता है कि उसे नियमों और सीमाओं को लेकर एक जैसा मैसेज नहीं मिल रहा है। बच्चा 'पेरेंट शॉपिंग' क्यों करता है? दोनों पेरेंट अलग जवाब देते हैं। घर के नियम तय नहीं होते। माता-पिता के फैसले बदलते रहते हैं। बार-बार पूछने पर जवाब बदलता है। नियम और सीमाएं स्पष्ट नहीं होती। बच्चे के व्यक्तित्व पर क्या असरः- अगर परिवार में लंबे समय तक यही स्थिति बनी रहे तो बच्चे पर ये प्रभाव पड़ सकते हैं। बच्चा सीमाओं का सम्मान नहीं करता। उसे लगता है कि हर नियम पर बातचीत करके उसे बदला जा सकता है। जिम्मेदारी कम लेता है। गलती होने पर वह यह देखने लगता है कि कौन उसका पक्ष लेगा। सही-गलत को लेकर भ्रमित हो सकता है। उसे समझ नहीं आता कि सही क्या है, क्योंकि दोनों सबसे महत्वपूर्ण लोग अलग बातें कह रहे हैं। माता-पिता के रिश्ते भी प्रभावित होते हैं। जब बच्चा दोनों के बीच संदेश पहुंचाने लगता है या एक की बात दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल करता है, तो परिवार का भावनात्मक माहौल प्रभावित होने लगता है। इस समस्या का समाधान क्या है? सबसे पहले यह समझें कि यह 'मां बनाम पिता' की लड़ाई नहीं है। असल सवाल ये है कि- ''क्या बच्चा एक सुरक्षित, स्पष्ट और भरोसेमंद माहौल में बड़ा हो रहा है?'' अगर इसका जवाब 'नहीं' है तो बदलाव की जरूरत है। इसके लिए नीचे दिए गए 6 कदम उठाएं। 1. नियम पहले आपस में तय करें-रोजमर्रा की महत्वपूर्ण बातों पर माता-पिता पहले से चर्चा कर लें और एक साझा नियम तय करें। हर मुद्दे पर पूरी तरह सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन बच्चे के सामने तय नियमों पर एक जैसी प्रतिक्रिया होनी चाहिए। इससे बच्चे को पता रहता है कि किस व्यवहार पर क्या अपेक्षा और क्या परिणाम होगा। बच्चे से जुड़े 8 नियम मम्मी-पापा मिलकर तय करेंः- स्क्रीन टाइम, पढ़ाई का समय। सोने उठने का समय। बाहर खेलने की सीमा। मोबाइल कब मिलेगा। जेब खर्च कितना होगा। गलती की सजा क्या होगी। इनाम कब मिलेगा। 2. नियम बदलना हो तो मिलकर बदलें-अगर किसी नियम में बदलाव जरूरी लगे तो बाद में आपस में चर्चा करें। फिर दोनों मिलकर बच्चे को नया नियम बताएं। इससे बच्चे को स्पष्ट संदेश मिलेगा। 3. बच्चे के सामने एक-दूसरे का फैसला न काटें- अगर पति ने किसी बात के लिए मना किया है और लगता है कि फैसला सही नहीं है, तो बच्चे के सामने उसे तुरंत न बदलें। बच्चे से कहें- 'हम दोनों इस पर बात करेंगे और फिर तुम्हें बताएंगे।' इससे बच्चे को संदेश मिलता है कि माता-पिता एक टीम की तरह फैसले लेते हैं। 4. सख्ती और प्यार में संतुलन रखें- कई माता-पिता मानते हैं कि सख्ती से ही बच्चा जिम्मेदार बनता है, जबकि कुछ का मानना है कि सिर्फ प्यार और समझाइश ही काफी है। लेकिन चाइल्ड साइकोलॉजी के अनुसार सबसे प्रभावी तरीका अथॉरिटेटिव पेरेंटिंग है, जिसमें स्नेह और अनुशासन दोनों का संतुलन होता है। इसमें- प्यार भी होता है। स्पष्ट नियम भी होते हैं। बच्चे की बात भी सुनी जाती है। गलती पर उचित परिणाम भी तय होते हैं। यानी न जरूरत से ज्यादा सख्ती, न पूरी छूट। बैलेंस्ड पेरेंटिंग कैसी होती है? प्यारः- बच्चे की बात सुनना, बैलेंस्ड पेरेंटिंग, भावनाओं को समझना।अनुशासनः- स्पष्ट नियम, तय परिणाम, सम्मानजनक व्यवहार। कंसिस्टेंसीः-माता-पिता से एक मैसेज, नियम बार-बार न बदलना। 5. 'एक सख्त, एक नरम' वाला पैटर्न न बनाएं- कई परिवारों में माता-पिता में से एक हमेशा डांटता है और दूसरा हमेशा बचाता है। इससे बच्चा दोनों की भूमिकाएं तय कर लेता है। ये तरीका सही नहीं है। इसकी बजाय- दोनों पेरेंट बच्चे को भरपूर प्यार दें। जरूरत पर दोनों सख्ती करें, दोनों नियम लागू करें। 6. बच्चे को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करेंः- 9 साल का बच्चा कुछ नियम समझ सकता है और उस पर अपनी राय दे सकता है। इसलिए उससे पूछें कि- इस नियम के बारे में तुम्हारी क्या राय है? तुम बताओ कि इसे तोड़ने की क्या सजा होनी चाहिए? जब बच्चा नियम बनाने में शामिल होता है, तो उनके पालन की संभावना भी बढ़ जाती है। एक्सपर्ट हेल्प कब जरूरी? इन स्थितियों में माता-पिता के लिए फैमिली काउंसलर या चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट से सलाह लेना मददगार हो सकता है। पेरेंटिंग से जुड़े फैसलों पर बार-बार टकराव हो रहा हो। बच्चा लगातार बातें छिपाने या झूठ बोलने लगा हो। स्कूल में व्यवहार से जुड़ी शिकायतें मिलने लगी हों।

बच्चा माता-पिता के मतभेदों का फायदा उठाने लगा हो। घर का तनाव बच्चों पर असर डालने लगा हो। याद रखेंः- बच्चे को ऐसे माता-पिता चाहिए, जो एक टीम की तरह काम करें। दोनों के व्यक्तित्व और सोच अलग हो सकते हैं, लेकिन बच्चे की परवरिश से जुड़े फैसलों में तालमेल जरूरी है। जब घर के नियम स्पष्ट, स्थिर और सम्मानजनक होते हैं, तो बच्चा भी धीरे-धीरे जिम्मेदार बनता है। यही स्वस्थ पेरेंटिंग की सबसे मजबूत नींव है।

एआई से 80 के दौर में पहुंचे सेलेब्स, सिद्धार्थ-कियारा का दिखा रेट्रो अंदाज,रवि किशन, परिणीति और अमीषा पटेल ने भी तस्वीरें शेयर कीं

मुंबई। सोशल मीडिया पर 80 दशक का रेट्रो ट्रेंड वायरल हो रहा है। इसमें लोग एआई की मदद से अपनी तस्वीरों को

80दशक के अंदाज में बदलकर शेयर कर रहे हैं। कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, श्रुति हासन समेत कई सेलेब्स भी इस ट्रेंड का हिस्सा बने हैं। कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एआई से बनाई तस्वीर शेयर की। इसमें दोनों रेट्रो अवतार में नजर आए। सिद्धार्थ ने डबल-डेनिम लुक के साथ डार्क एविएटर सनग्लासेस पहने। वहीं कियारा ने 80दशक के रंगीन फैशन को अपनाया। वह पिंक आउटफिट में नजर आईं, जिसमें पफ स्लीव्स थीं। उन्होंने बड़े हूप ईयररिंग्स और चूड़ियां पहनीं। कियारा ने पोस्ट में सिद्धार्थ की अपकमिंग फिल्म 'द व्वान' के

रोमांटिक ट्रैक 'समझो ना' को भी एड किया। परिणीति और राघव भी ट्रेंड में शामिल हुए- परिणीति चोपड़ा ने पति राघव चड्ढा के साथ विंटेज स्टाइल की कई तस्वीरें शेयर कीं। अमीषा पटेल भी रेट्रो लुक में नजर आईं। उन्होंने वन-शोल्डर टॉप और डेनिम शॉर्ट्स के साथ नियोन

पिंक आउटफिट पहना। उन्होंने लेग वॉर्मर्स और व्हाइट-पिंक स्नीकर्स पहने और एक बड़े बूमबॉक्स पर बैठी नजर आईं। एक्टर रवि किशन ने भी इस वायरल एआई ट्रेंड में हिस्सा लिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर 80दशक के अंदाज में अपनी एआई-जेनरेटेड तस्वीर शेयर की। तस्वीर में उनका लुक 1980 के बॉलीवुड हीरो जैसा नजर आया। दूसरी ओर, श्रुति हासन 80दशक से कुछ दशक पीछे 1960दशक के लुक में नजर आईं। तस्वीर में वह प्रिंटेड टॉप, मैचिंग हेडस्कार्फ और ब्लू जींस पहने दिखीं। आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप ने भी सोशल मीडिया पर अपने रेट्रो अंदाज की तस्वीर शेयर की। रणबीर कपूर की बहन और एक्ट्रेस रिद्धिमा कपूर साहनी भी 80 के एआई ट्रेंड में शामिल हो गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उनका लुक 1980 के दशक के अंदाज में नजर आया। रिद्धिमा ने तस्वीर के साथ लिखा, 'जब 80 ने बुलाया, तो मैंने इसी अंदाज में जवाब दिया।' रिद्धिमा ने इसी साल कॉमेडी फिल्म 'दादी की शादी' से एक्टिंग की शुरुआत की है। फिल्म में उनकी मां नीतू कपूर और कपिल शर्मा भी नजर आए थे। वहीं, डेजी शाह ने भी इस ट्रेंड में हिस्सा लिया। एआई से बनाई तस्वीरों में वह 80 की हीरोइन जैसी नजर आईं। उनका हेयरस्टाइल और पूरा लुक पुराने दौर की याद दिलाता है। एक्टर अभय वर्मा ने भी 1980 के दशक वाला अंदाज अपनाया। उन्होंने लंबे घुंघराले बालों और डेनिम आउटफिट में तस्वीरें शेयर कीं। अभय जल्द ही शाहरुख खान के साथ 'किंग' में नजर आएंगे। ऐसे बना सकते हैं 80 जैसा एआई फोटो-80 इंस्पायर्ड एआई फोटो बनाने के लिए यूजर्स किसी एआई इमेज जनरेशन टूल, जैसे चैटजीपीटी, में अपनी साफ तस्वीर अपलोड कर सकते हैं। इसके बाद व्यक्ति के चेहरे की पहचान बरकरार रखते हुए उसे 80 के माहौल में दिखाने का प्रॉम्प्ट दिया जा सकता है। फोटो को रेट्रो लुक देने के लिए वॉल्यूमिनस हेयरस्टाइल, रंगीन कपड़े, डेनिम जैकेट, स्टेटमेंट एक्सेसरीज, विंटेज इंटीरियर, बॉलीवुड

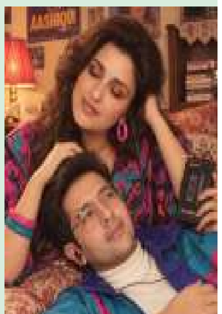

इंस्पायर्ड बैकग्राउंड, वार्म लाइटिंग, फीके रंग और फिल्म-ग्रेन इफेक्ट जैसी डिटेल्स जोड़ी जा सकती हैं। यूजर्स हेयरस्टाइल, आउटफिट या बैकग्राउंड में बदलाव करके तस्वीर को अपनी पसंद के मुताबिक भी तैयार कर सकते

हैं। भारत में वायरल हुए कुछ प्रमुख सोशल मीडिया ट्रेंड- जनवरी 2026 में सोशल मीडिया पर 10 साल पुरानी फोटोज शेयर करने का ट्रेंड आया था, जिसमें लोग अपनी 2016 की तस्वीरें दिखाने में लगे हुए थे। जिसमें आलिया भट्ट, करीना कपूर खान, सोनम कपूर जैसी कई सेलेब्स ने 2016 की अपनी तस्वीरें शेयर की थीं। मार्च 2025 में घिबली लुक का ट्रेंड भी सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हुआ। यह एआई फोटो ट्रेंड था। इसमें लोग एआई टूल्स की मदद से अपनी सामान्य तस्वीरों को स्टूडियो गिबली की एनिमेशन शैली में बदलते थे। तस्वीरें ऐसी दिखती थीं, जैसे वे किसी खूबसूरत एनिमेशन फिल्म का हिस्सा हों। इस ट्रेंड में लोगों ने अपनी, परिवार

और दोस्तों की तस्वीरें गिबली अंदाज में बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। इस ट्रेंड में अमिताभ बच्चन, परिणीति चोपड़ा और अर्जुन कपूर शामिल हुए थे। 10 इयर्स चैलेंज सोशल मीडिया के सबसे चर्चित फोटो ट्रेंड्स में से एक रहा। जनवरी 2019 में इसमें लोग अपनी 10 साल पुरानी और मौजूदा तस्वीर को एक साथ शेयर करते थे। दोनों तस्वीरों को देखकर पता चलता था कि इतने सालों में उनका लुक कितना बदल गया। कई लोगों ने अपने पुराने और नए लुक का अंतर दिखाते हुए तस्वीरें पोस्ट कीं।

कन्नड़ एक्टर किरण राज पर शेर ने नहीं किया हमला,वायरल वीडियो अपकमिंग प्रोजेक्ट की ट्रेनिंग का है

चेन्नई। कन्नड़ एक्टर किरण राज ने बताया कि वायरल वीडियो में शेर ने उन पर हमला नहीं किया था। वह घायल भी नहीं हुए हैं। किरण ने बताया कि वायरल वीडियो एक अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए चल रहे नियंत्रित ट्रेनिंग सेशन का है और इस दौरान सभी सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। किरण ने वीडियो मैसेज में कहा कि वीडियो के कैप्शन और बैकग्राउंड म्यूजिक से लोगों में डर और गलत जानकारी फैली। उन्होंने कहा, 'मैं साफ करना चाहता हूं कि कैप्शन और बैकग्राउंड म्यूजिक से घबराहट और गलत जानकारी फैल रही है।' किरण ने बताया कि वह प्रोजेक्ट के लिए रॉकी नाम के शेर के साथ ट्रेनिंग ले रहे हैं। इसका मकसद शेर के आसपास सहज होना और उसके साथ काम करने की आदत डालना है। उन्होंने कहा, 'फैक्ट यह है कि मैं प्रोजेक्ट के लिए रॉकी के साथ ट्रेनिंग कर रहा हूं। यहां माहौल बहुत सेफ है।' एक्टर के मुताबिक, ट्रेनिंग सेशन सुरक्षित माहौल में और जरूरी सावधानियों के साथ हो रहे हैं। इस दौरान रॉकी के साथ उनका रिश्ता भी बन गया है। किरण ने बताया कि रॉकी के साथ बने इस जुड़ाव से उन्हें शेर के करीब काम करते समय ज्यादा सहज महसूस करने में मदद मिली। पहले दिन रिकॉर्ड हुआ था वीडियो-वायरल वीडियो किरण के ट्रेनिंग प्रोग्राम के पहले दिन रिकॉर्ड किया गया था। उस दिन वह रोजर और रॉकी नाम के शेरों के साथ बातचीत करना सीख रहे थे। किरण ने इंस्टाग्राम पर इस अनुभव की जानकारी शेयर की थी। उन्होंने बताया था कि उन्हें शेरों के आसपास व्यवहार करने और उनकी हरकतों व प्रतिक्रियाओं को समझने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। मूल वीडियो में किरण एक शेर के बहुत करीब खड़े दिखाई दे रहे थे। शेर उनकी ओर झपटता हुआ नजर आया, इसलिए सोशल मीडिया पर कई लोगों को लगा कि उन पर हमला हुआ और वह घायल हो गए। कौन हैं किरण राज? किरण राज ज्यादातर कन्नड़ टेलीविजन के साथ-साथ कन्नड़ फिल्मों में भी काम करते हैं। 5 जुलाई 1993 को जन्मे किरण राज ने अपने करियर की शुरुआत एक बैकग्राउंड डांसर के तौर पर की थी। वह 2010 से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। छोटे रोल से शुरुआत करके उन्होंने टेलीविजन पर अपनी जगह बनाई। किरण राज को सबसे ज्यादा लोकप्रियता कन्नड़ टेलीविजन शो 'कन्नड़ती' से मिली। 2020 से 2023 तक प्रसारित इस धारावाहिक में उन्होंने हर्ष कुमार का किरदार निभाया। उनकी एक्टिंग और पर्दे पर उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इस

धारावाहिक ने उन्हें कन्नड़ टेलीविजन के चर्चित कलाकारों में शामिल कर दिया। टेलीविजन के साथ किरण ने फिल्मों में भी लगातार काम किया। उन्होंने 'मार्च 22', 'असतोमा सद्गमय', 'जीवनाने नाटका सामी', 'बडीज', 'भरजरी गंडू' और 'मेघा' जैसी फिल्मों में काम किया। साल 2024 में आई 'रॉनीः द रूलर' में उनके प्रदर्शन ने उन्हें कन्नड़ सिनेमा में और ज्यादा चर्चा दिलाई। फिल्म में उन्होंने राघव और रॉनी की भूमिका निभाई। साल 2025 में किरण राज ने 'कर्ण' धारावाहिक में मुख्य भूमिका निभानी शुरू की। इस धारावाहिक में वह एक स्त्री रोग विशेषज्ञ का किरदार निभा रहे हैं। धारावाहिक को कन्नड़ टेलीविजन पर अच्छी दर्शक प्रतिक्रिया मिली और शुरुआती दौर में इसकी दर्शक संख्या भी मजबूत रही। वहीं, वह जल्द फिल्म 'जॉकी 42' में भी नजर आएंगे। साल 2025 में आयोजित जी कुटुंब पुरस्कार समारोह में उन्हें 'कर्ण' के लिए लोकप्रिय अभिनेता और लोकप्रिय जोड़ी के पुरस्कार मिले। किरण राज सड़क हादसे में घायल हुए थे- किरण राज आज से ठीक 2 साल पहले यानी 10 सितंबर 2024 को बेंगलुरु के केंगेरी के पास एक भीषण सड़क हादसे में घायल हो गए थे। यह दुर्घटना उस समय हुई, जब वह एक अनाथालय से लौट रहे थे। हादसे के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां कुछ समय के लिए आईसीयू में रखा गया था।जानकारी के मुताबिक, हादसे के समय कार किरण राज की फिल्म 'रॉनीः द रूलर' के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर चला रहे थे और किरण पीछे की सीट पर बैठे थे।

रास्ते में अचानक सांप आ जाने पर चालक ने कार को दाईं ओर मोड़ दिया। इससे मर्सिडीज कार असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई। घटना में किरण राज को छाती में चोट लगी और कुछ समय के लिए वह बेहोश हो गए थे।

अस्पताल में उनकी एमआरआई समेत जरूरी जांच की गई थी। बाद में किरण राज ने सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज जारी कर फैंस को बताया था कि वह ठीक हैं और उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है।

'दृश्यम 3' का ट्रेलर हुआ रिलीजःविजय के खिलाफ मिला ऐसा सबूत

मुंबई। अजय देवगन स्टारर 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' (दृश्यम 3) का ऑफिशियल ट्रेलर बुधवार को रिलीज हो गया। दृश्यम 3 को 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी का आखिरी चैप्टर बताया गया है। इसमें अजय देवगन का किरदार विजय सालगांवकर एक बार फिर अपने परिवार के डार्क सीक्रेट को कानून से बचाने की कोशिश करते नजर आएगा। ट्रेलर 2 मिनट 52 सेकंड लंबा है। फिल्म में अजय देवगन विजय, तब्बू छ मीरा देशमुख और श्रिया सरन नंदिनी के किरदार में लौट रही हैं। इस बार जयदीप अहलावत और प्रकाश राज की एंट्री हुई है। विजय के सामने नई चुनौती- ट्रेलर में दिखाया गया है कि मामला अब सिर्फ दिमागी खेल नहीं रहा, बल्कि विजय और पुलिस के बीच अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है। ट्रेलर में अजय देवगन कहते हैं, 'उनके पास बहुत ही मजबूत सबूत हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।